दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

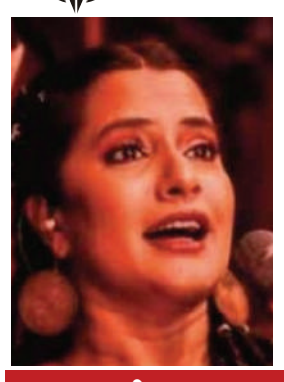

अमन लेखनी

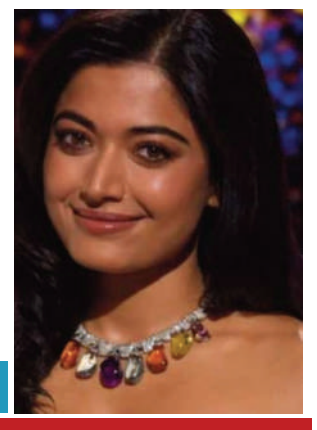

हार्टब्रेक गाने सिर्फ पुरुषों के लिए...

सच्चे प्यार पर करते आए हैं भरोसा

वर्ष : 12 | अंक : 180 | लखनऊ, 24 जून, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

नागरिक अलंकरण समारोह-2 का राष्ट्रपति भवन में किया गया आयोजन

सोरेन, थॉमस समेत 65 हस्तियों को मिला सम्मान, साथ ही अमृतराज, अल्का याग्निक को पद्म सम्मान से नवाजा

दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किया, इससे पहले 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे, जिनमें 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री शामिल थे।

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में 'नागरिक सम्मान समारोह-2' में 2026 के लिए पद्म पुरस्कार प्रदान किए। ये पुरस्कार पाने वाले 65 लोगों में पूर्व केंद्रीय मंत्री शिबू सोरेन, टेनिस स्टार विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी और गायिका अलका याग्निक शामिल हैं। इस समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हैं।

56 को पद्म श्री, 7 को पद्म भूषण, 2 को पद्म विभूषण

सम्मान ग्रहण करती हस्तियां

गायिका अल्का ने पुरस्कार ग्रहण किया

गायक मुमूटी को मिला अवार्ड

थॉमस को सम्मान देतीं राष्ट्रपति

इसके पहले 65 हस्तियों को किया था सम्मानित

दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति 65 पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे, जिनमें दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 57 पद्म श्री शामिल थे।

ये पुरस्कार 3 श्रेणियों में दिए जा रहे

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार 3 श्रेणियों में दिए जाते हैं, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री। ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, जन-कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

पूर्व कप्तान शर्मा को दिया पद्म श्री

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को पद्म अवॉर्ड्स दिए। वहीं, दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को पद्म भूषण सम्मान और महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पूनिया को पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा। इतना ही नहीं, मध्य प्रदेश के भगवानदास रायकवार को मरणोप्रांत पद्म श्री पुरस्कार दिया गया।

कई दिग्गजों को मिले अवॉर्ड्स

सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी थी, जिसमें खेल जगत के कई दिग्गजों को शामिल किया गया था। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को पद्मश्री से नवाजा गया था।

खबर संक्षेप

आखिरकार नगरासू गुरुद्वारा विवाद सुलझा

नगरासू। यहां स्थित दमदमा साहिब गुरुद्वारे में 3दिन से चल रहा गतिरोध समाप्त हो गया। गुरुद्वारे

की तीसरी और चौथी मंजिल पर डटे 7निहंगों में से तीन नीचे उतर आए थे। बाकी 4 निहंग भी दोपहर बाद गुरुद्वारे से नीचे आ गए हैं। पंजाब से निहंग जत्था यहां पहुंचा था। निहंगों से वार्ता के लिए वे गए तब उनसे वार्ता सार्थक रही। इस तरह गुरुद्वारा विवाद सुलझ गया।

आईएएस 60 करोड़ की हेराफेरी में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पंकज अग्रवाल को

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के, हरियाणा सरकार के खातों से कथित तौर पर 60 करोड़ रुपए से अधिक की राशि गबन करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वर्ष 2000 बैच के हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी थे।

2.9 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, एक अरेस्ट

गुवाहाटी। असम पुलिस ने कछार जिले में करीब 2.9 करोड़ मूल्य की 'याबा टैबलेट' जब्त की है। इस

मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरमा ने कहा कि 29,000 याबा टैबलेट जब्त की गईं और मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। कछार पुलिस ने कार्रवाई की।

कर्नाटक में स्वाइन फ्लू के खतरे को लेकर अलर्ट

बेंगलुरु। संक्रामक बीमारियां समय के साथ कॉमन होती जा रही हैं। कमजोर होती लोगों की इम्युनिटी

और वायरस-बैक्टीरिया के नए स्ट्रेन लगातार खतरा बढ़ाते हुए देखे जा रहे हैं।

नाफेड पोर्टल का शुभारंभ कर सहकारिता मंत्री शाह ने कहा

बिचौलियों की भूमिका होगी कम, किसानों को होगा लाभ, दलहन में हम होंगे आत्मनिर्भर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नेफिक्स डॉट इन, दृष्टि, ईआरपी और नाफेड कल्याण के रूप में 4 पहलें

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) के ऑक्शन पोर्टल एनएएफईएक्स डॉट इन की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'नाफेड' ने एक प्रकार से नेफिक्स डॉट इन, दृष्टि, ईआरपी और नाफेड कल्याण के रूप में चार पहलों की शुरुआत की है।उन्होंने कहा कि जो नाफेड 2014 में बंद होने की कगार पर आ गया था, वह आज 500 करोड़ मुनाफे और 30 हजार करोड़ टर्नओवर के साथ देश के 74 लाख किसानों की सहायता कर रहा है। 2014 में नाफेड गहरे आर्थिक संकट मे था। नाफेड के अधिकारियों ने पीएम मोदी के साथ बैठक की। इसके बाद भारत सरकार ने आर्थिक मदद करके नाफेड को फिर से मजबूती के साथ चालू किया।

दलहन का दाम किसानों तक पहुंचेगा

सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि उस वक्त मैं पार्टी का अध्यक्ष था। मुझे पता है कि नाफेड गहरे आर्थिक संकट में था। आने वाले दो वर्षों में सहकारिता मंत्रालय यह सुनिश्चित करेगा दलहन का एक दाना भी व्यापारियों के माध्यम से न आए बल्कि सीधे किसानों के पास से आए। इससे किसानों को सीधा मुनाफा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही दलहन का दाम किसानों तक पहुंचेगा, अपने आप दलहन का रकबा बढ़ने लगेगा और देश एक प्रकार से दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा।

किसानों से सीधे खरीद के लिए बनाया

उन्होंने कहा कि किसानों से सीधे खरीद के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बना दिया गया है। अब इंफ्रास्ट्रक्चर को नीचे तक पहुंचाना है। मेरा मानना है कि नाफेड की ओर से भी दृढ़ता के साथ शुद्ध तरीके से काम करना होगा, तभी जाकर परिणाम मिलेंगे। अमित शाह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मेरे जैसे कई भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए 23 जून का दिन बहुत महत्वपूर्ण है।

आज के ही दिन डॉ. मुखर्जी ने दिया था बलिदान

आज ही के दिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने एक विधान, एक निशान और एक प्रधान के सूत्र को चरितार्थ और देश को एकजुट रखने के लिए अपना बलिदान दिया था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस देश के बड़े नेता रहे हैं। उन्होंने प्रसिद्धि के लिए कुछ नहीं किया और उन्होंने जो कुछ किया, उसके दूरगामी परिणाम रहे। अंग्रेजों के साथ लड़ाई लड़ने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिए पूरे जीवन संघर्ष किया।

गृह मंत्रालय ने एफसीआरए के तहत लगने वाले जुर्माने को बढ़ाया

विदेशी चंदा पाने वाले एनजीओ पर निशाना

गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए), 2010 के तहत विदेशी चंदा प्राप्त करने व इस्तेमाल करने वाले गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) से जुड़े कई अपराधों के लिए लगाए जाने वाले जुर्माने में संशोधन किया है। एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। मंत्रालय ने सोमवार को अधिनियम की धारा 41(1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये आदेश

जारी किए। अधिसूचना के मुताबिक, अधिनियम की धारा- 8 का उल्लंघन कर प्रशासनिक खर्चों के लिए मिले विदेशी अंशदान के 20 प्रतिशत से अधिक राशि अन्य मदों पर खर्च करने पर जुर्माना एक लाख या सीमा से ज्यादा खर्च की गई रकम का 5 प्रतिशत - इनमें से जो भी ज़्यादा हो लगाया जाएगा। इसके अलावा, उससे अर्जित होने वाली 100 प्रतिशत कमाई भी वसूल की जाएगी। अधिसूचना के मुताबिक, अगर विदेशी चंदा किसी विशेष कार्य के लिए मिला है और उक्त राशि का इस्तेमाल दूसरे मद में किया जाता है, तो इस्तेमाल की गई रकम का 30 प्रतिशत या एक लाख रुपये- इनमें से जो भी ज़्यादा हो- जुर्माना लगाया जाएगा।

अब बागियों पर ममता का एक्शन

अरूप और फिरहाद समेत 8 नेताओं को किया निष्कासित

पार्टी-विरोधी गतिविधि का आरोप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस में शुरू हुआ सियासी घटनाक्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले विधानसभा में विधायकों की बगावत, फिर कुछ राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा, इसके बाद लोकसभा सांसदों के गुट का रूठना सभी के सामने हैं। असली टीएमसी बताने वाले ऋतब्रत बेनर्जी के गुट की तरफ से पार्टी की संस्थापक ममता बेनर्जी से अध्यक्ष पद से हटाना और दूसरे पद के नेता अभिषेक बेनर्जी का निलंबन की खबर सामने आई। अब ममता ने बागियों पर कार्रवाई करते हुए अरूप रॉय, फिरहाद हाकिम समेत 8 लोगों को पार्टी निष्कासित कर दिया है।

इन नेताओं पर की कार्रवाई

टीएमसी से निकाले गए नेताओं में जावेद अहमद खान, फिरहाद हकीम, अरूप रॉय, रथीन घोष, बिप्लब मित्रा, सबीना यास्मीन, अरूप बिस्वास और स्नेहाशीष चक्रवर्ती शामिल हैं। इससे पहले टीएमसी ने इन सभी नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

बागी गुट के गठन के बाद बढ़ा विवाद

यह कार्रवाई तब हुई है जब विपक्ष के नेता ऋतब्रत के नेतृत्व वाले बागी गुट ने पार्टी के भीतर नई संगठनात्मक संरचना बनाने का ऐलान किया था। बागी गुट ने एक विशेष बैठक आयोजित कर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस कमेटी और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की थी।

दूसरी बार बनाई कार्यसमिति, ईसी को भेजी

टीएमसी के भीतर चल रहे बगावत और गंभीर आंतरिक सत्ता संघर्ष के बीच ममता ने टीएमसी कार्यसमिति की एक नई संशोधित सूची चुनाव

आयोग को भेजी है। सोमवार को सूची को उसी दिन नई दिल्ली में चुनाव आयोग के समक्ष जमा कर दिया गया। ममता ने टीएसी में बड़े पैमाने पर हुई ऐतिहासिक बगावत के बाद पार्टी संगठन पर अपना पूर्ण नियंत्रण वापस पाने, बागी नेताओं को बाहर निकालने और चुनाव आयोग (ईसी) के सामने पार्टी पर अपनी कानूनी ज़वेदारी को मजबूत करने के लिए ताबड़तोड़ दो हफ्ते में दूसरी बार नई राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन किया है।

शिक्षक भर्ती घोटाला

ईडी ने तमिलनाडु के 18 ठिकानों पर मारा छापा, रिकॉर्ड जब्त किए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तमिलनाडु में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने चेन्नई, कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली और मदुरै जैसे शहरों

समेत कुल 18 जगहों पर छापा मारा है। यह छापेमारी 2017 के एक शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच में की गई है। यह सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों में हुई परीक्षाओं पर केंद्रित है। रिश्वत और नंबरों में हेरफेर का शक है।

196 उम्मीदवारों के नंबरों में छेड़छाड़ का आरोप

2017 में चेन्नई की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने इस मामले की जांच की थी। 196 उम्मीदवारों के नंबरों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। आरोप है कि यह सब पैसे लेकर किया गया था। 2021 में इस मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी। अब पता लगाया जा रहा कि कितने पैसों का लेन-देन हुआ और इसमें कौन-कौन शामिल थे। ईडी ने जो दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए हैं।

मारपीट, धमकी व वसूली का आरोप

आप विधायक वसावा समेत 9 लोगों को मिली 7 साल की सजा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

गुजरात में आपको बड़ा झटका लगा है। नर्मदा जिले की एक अदालत ने पार्टी के विधायक चैतर वसावा,

उनकी पत्नी और सात अन्य लोगों को वन विभाग के अधिकारियों से मारपीट, धमकी और वसूली के मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई है। वसावा दक्षिण गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में पार्टी वसावा गुजरात आप के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। वे2022 के विधानसभा चुनाव में डेडियापाड़ा सीट से जीतकर चर्चा में आए थे। उनकी जीत ने दक्षिण गुजरात के आदिवासी इलाके में आप को मजबूत आधार दिया था। चैतर वसावा ने खुद को आदिवासी भूमि अधिकारों के प्रमुख नेता के रूप में स्थापित किया था। अब अदालत के फैसले ने उनकी राजनीतिक राह मुश्किल कर दी है। फिलहाल इस फैसले पर आप की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नई दिल्ली में सीजेपी कर रही आंदोलन

जंतर-मंतर पर रातभर डटे रहे प्रदर्शनकारी नागरिकों से हिस्सा लेने की अपील की

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

यहां के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी पेपर लीक विवाद को लेकर चल रहा विरोध प्रदर्शन अब एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है। कॉकरोच जनता

पार्टी (सीजेपी) के समर्थकों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना दिया। प्रदर्शन की अनुमति समाप्त होने की घोषणा और जगह खाली करने की चेतावनी के बाद भी संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी पूरी रात धरना स्थल पर डटे रहे।

प्रधान बोले- सीजेपी दहशतगर्तों की बी टीम

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीजेपी को दहशतगर्तों की बी टीम बताया। उन्होंने कहा-जिन्हें डेमोक्रेसी में

रिजेक्ट कर दिया गया था, वे भेष बदलकर आए हैं और अब सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं। उनकी पहचान हो गई है। कुछ जानबूझकर शिक्षा को डिरेल करने की कोशिश कर रहे हैं। फिर चाहे वो कोचिंग सेंटर वाले हों या फिर शिक्षा माफिया हों, इन पर नजर रखी जा रही है। हम इन्हें घुटने पर लाएंगे, नहीं तो हम देश के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते हैं।

मौत पर राजनीति न करें अखिलेश : ब्रजेश पाठक

अलीगंज की घटना उनके कुकृत्यों का नतीजा

- डिप्टी सीएम ने कहा 15 लोगों की जान गई और अखिलेश एसी कमरे में बैठकर कर रहे राजनीति
- प्लॉट आवंटन से लेकर बिल्डिंग निर्माण और नक्शा पास कराने में शामिल रही अखिलेश की मशीनरी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड पर विपक्ष की ओर से राजनीति किए जाने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा है कि यह हादसा आपकी सरकार के कुकृत्यों का नमूना है। उन्होंने कहा कि इस हृदयविदारक घटना में 15 लोगों की जान गई है और आप एसी कमरे में बैठकर राजनीति कर रहे हैं।

ब्रजेश पाठक ने अलीगंज अग्निकांड को अखिलेश सरकार के भ्रष्टाचार का नमूना बताते हुए कहा कि प्लॉट आवंटन से लेकर इस अवैध बिल्डिंग का निर्माण का कार्य आपकी ही सरकार के दौरान हुआ था। आपने इसे सील करके सील खोलने का काम किया था। ध्वस्तीकरण के आदेश को रद्द करने का काम किया था। ये दर्दनाक घटना आप के ही सरकार के कुकृत्यों का यह नतीजा है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सारे कार्यक्रम रद्द करके स्वयं तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित परिवारों से मिले और उन्हें न्याय दिलाने के लिए रात में ही कार्रवाई शुरू कर दी गई। चार अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। जितने भी लोग इस घटना में जवाबदेह पाए जाएंगे सभी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री जी ने एसआईटी का गठन भी कर दिया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों को खोया है, उनके दर्द को समझते हुए सरकार हर संभव मदद और न्याय सुनिश्चित करेगी।

अखिलेश सरकार में कैसे मिली भवन निर्माण की इजाजत ? : अखिलेश सरकार के भ्रष्टाचार वाले इकोसिस्टम ने पूरे प्रदेश में ऐसी खतरनाक इमारतों को बनाने का रास्ता खोल दिया, जो आज लोगों की जान ले रही हैं। ये भवन 1980 में लॉटरी से आवंटित तो हुआ था, लेकिन असली खेल अखिलेश यादव के राज में हुआ। 20 अगस्त 2014 को अखिलेश सरकार ने 1992 वर्गफुट का आवासीय नक्शा पास कर दिया। 2016 में अवैध निर्माण का मुकदमा दर्ज हुआ, 10 मई 2016 को ध्वस्तीकरण का आदेश भी आ गया। लेकिन मात्र 2 महीने बाद, 5 जुलाई 2016 को अखिलेश सरकार ने ध्वस्तीकरण का आदेश रद्द कर दिया। आखिर क्यों और किसके दबाव में? सैटेलाइट तस्वीरें भी सब कुछ बेनकाब करती हैं।

दिसंबर 2015 में प्लॉट बिल्कुल खाली था, मगर फरवरी 2016 में निर्माण शुरू हुआ और जून 2016 तक इमारत बनकर तैयार हो गई। यानी नियम-कानून को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से नक्शा पास कराया गया, निर्माण कराया गया और सब अखिलेश सरकार की नाक के नीचे चलता रहा। क्या अखिलेश के समय किसी अधिकारी पर कार्रवाई हुई? क्या कोई जवाबदेही तय हुई? बिल्कुल नहीं! ये अग्निकांड अखिलेश यादव सरकार की भ्रष्टाचार और लापरवाही का जीता-जागता सबूत है।

अग्निकांड की घटना सामान्य नहीं : अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कहा है कि लखनऊ के अलीगंज में हुई अग्निकांड की घटना सामान्य घटना नहीं है। भाजपा सरकार में जो नक्शे पास हुए हैं और जो एनओसी मिली है, उसकी जांच होनी चाहिए। जिससे इस तरह की घटना दोबारा न हो। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पार कर चुका है। अगर सही जांच होगी तो भाजपा के लोग दोषी पाये जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों और नई पीढ़ी की मौत किसी परिवार के लिए सबसे बड़ा दुःख होता है। लखनऊ अग्निकांड बहुत दुःखद दुर्घटना है। इतनी बड़ी संख्या में जान चली गयी। मदद के लिए बच्चों ने अपने माता-पिता को फोन किया। कई लोगों ने फायर ब्रिगेड को फोन किया लेकिन समय रहते मदद नहीं मिल पायी। इतने परिवारों ने अपने बच्चों को खो दिया है।

लखनऊ में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार के कारण छात्रों की जान चली गयी। इससे पहले भी लखनऊ में अग्निकांड के कारण जान चली गयी थी। झोपड़ पट्टियों में भी कुछ दिन पहले आगजनी हुई थी। लोगों का आरोप था कि झोपड़ पट्टियों में आग लगायी गयी थी। इसी तरह से चारबाग में अग्निकांड की घटना हुई थी। लिवाना होटल में अग्निकांड की घटना कोई भूल ही नहीं सकता।

यादव ने कहा कि अलीगंज के रेजिडेंशियल एरिया में कमर्शियल गतिविधि चल रही थी। भाजपा सरकार इतने दिनों तक क्या कर रही थी। लगता है 10 साल से प्रदेश में सरकार ही नहीं है। आखिर सरकार की क्या जिम्मेदारी है? भ्रष्टाचार करके एनओसी क्यों दी जा रही है? इसके लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि कुछ लोग कैमरा देख कर दिखावटी आंसू बहा रहे थे। जैसे कैमरा हटता है आंसू रूक जाते हैं। सरकार को पीड़ित परिवारों की बड़े पैमाने पर मदद करनी चाहिए। पांच लाख रुपए का मुआवजा पर्याप्त नहीं है। जिनकी मौत हुई है वे होनहार बच्चे थे। सपा सरकार बनने में हम उनकी मदद करेंगे।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुछ दिन पहले कल्ली पश्चिम बाजार से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक न्यू सैनिक होम सोसाइटी, कल्ली पश्चिम निवासी दर्शनलाल की बाइक बीती 19 जून को बाजार से चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की मदद से जांच शुरू की। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर ओमेक्स अंडरपास के पास से सुजीत (20) और अखिलेश कुमार (22) निवासी कनकहा थाना मोहन लालगंज को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने मिलकर बाइक चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने उनके पास से चोरी की हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद कर ली। दोनों आरोपी मजदूरी का काम करते हैं और वाहन चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। पुलिस अन्य मामलों में भी उनकी भूमिका की जांच कर रही है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

तीन ज्योर्तिलिंग सहित शिरडी दर्शन का मौका

लखनऊ। आईआरसीटीसी लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने तीन ज्योतिर्लिंग के साथ शिरडी दर्शन हवाई पैकेज शुरू किया है। 16 से 21 जुलाई तक चलने वाला यह 5 रात-6 दिन का टूर नासिक, शिरडी और छत्रपति संभाजी नगर कवर करेगा। पैकेज में फ्लाइट, तीन सितारा होटल, भोजन और घूमने की सुविधा शामिल है। यात्रियों को त्रयंबकेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिरडी साई बाबा, शनि शिंगणापुर का दर्शन कराया जाएगा। एलोरा गुफाएं भी दिखाई जाएंगी। आईआरसीटीसी उक्षे. लखनऊ के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा के अनुसार किराया प्रति व्यक्ति 45,400 से 57,000 रुपये तक है। बुकिंग पहले आओ-पहलो पाओ आधार पर होगी।

फार्मासिस्टों के वेतन, पदोन्नति और सेवा संबंधी विषयों पर चर्चा

लखनऊ। 8 वें वेतन आयोग के बुलावे पर फार्मेसिस्ट संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 8 वें वेतन आयोग एवं उनके अधिकारियों से मंगलवार को गोमतीनगर स्थित रेनेंसा होटल में आयोजित कार्यक्रम में चर्चा की। इस कार्यक्रम में डिप्लोमा फर्मोसिस्ट एसोसिएशन (डीपीए) के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला, आईएचपीए के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरए गुप्ता, प्रवक्ता अनिल सचान प्रमुख रूप से शामिल थे। यह जानकारी देते हुए डीपीए के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय कुमार पांडेय ने बताया कि वार्ता के दौरान 8वें वेतन आयोग के समक्ष फार्मासिस्टों के वेतन, पदोन्नति और सेवा संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। फार्मासिस्टों को लेवल 7 (4600 ग्रेड पे) देने की मांग तथ्यों सहित की गयी। आयोग द्वारा भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा कर पूर्व एवं वर्तमान स्थिति को समझा। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फार्मासिस्टों के वेतन, पदोन्नति एवं सेवा के संबंध में गत 10 जून को जारी भारत का राजपत्र भी आयोग को सौंपा एवं उस पर भी विस्तार से चर्चा की।

विवेकानंद अस्पताल को भेंट की दो व्हीलचेयर

लखनऊ। पंजाब एंड सिंध बैंक के 119वें स्थापना दिवस पर बैंक की ओर से अपने सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) एवं जनसेवा की भावना के अंतर्गत विवेकानन्द पॉलीक्लीनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान को दो व्हीलचेयर भेंट की गईं। बैंक के महाप्रबंधक राजीव कुमार बंसल ने पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से दो व्हीलचेयर अस्पताल प्रशासन को प्रदान की गईं। कार्यक्रम में संस्थान के स्वामी मुक्तिनाथानन्द की उपस्थिति रही।

उप्र ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग का आयोजन आज

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को निवेशकों की पहली पसंद बनाने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में बुधवार 24 जून को बेंगलुरु में 'उत्तर प्रदेश ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग 2026' के तहत इन्वेस्टर्स रोडशो का आयोजन किया जा रहा है। रोडशो की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस आयोजन में देश के कई दिग्गज उद्योगपति भी शामिल होंगे। इस आयोजन में इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी एंड आईटी इनेबल्ड सर्विसेज, ग्लोबल कैपैसिटी सेंटर्स व एफडीआई पर आधारित तीन सत्र होंगे। इन सत्रों में संबंधित क्षेत्रों के दिग्गज उद्यमी अपने विचार प्रकट करेंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश और व्यापार के अवसरों पर एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग भी होगी। रोडशो का उद्देश्य सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरु में निवेशकों व उद्योगपतियों के सामने उत्तर प्रदेश की विकास गाथा, निवेश अनुकूल नीतियों तथा विभिन्न सेक्टर्स में उभरते अपार व्यावसायिक अवसरों को प्रस्तुत करना है। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, सेक्टोरल पॉलिसीज, एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क, इलेक्ट्रिक व्हीकल व मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर आदि में यूपी की प्रगति से अवगत कराते हुए निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा।

मुजफ्फरनगर-हरिद्वार आरआरटीएस कॉरिडोर को योगी सरकार की हरी झंडी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुजफ्फरनगर-हरिद्वार आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) कॉरिडोर के लिए एएआर/डीपीआर तैयार कराने को सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी गई है। इस ऐतिहासिक निर्णय पर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर उनका आभार जताया।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुजफ्फरनगर-हरिद्वार आरआरटीएस कॉरिडोर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति देने वाला दूरगामी कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के धरातल पर उतरने से मुजफ्फरनगर, रुड़की और हरिद्वार के बीच आवागमन न केवल तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगा, बल्कि यह पूरा क्षेत्र आर्थिक गतिविधियों का नया केंद्र बनेगा। व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, धार्मिक पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थल तक सीधी और तेज कनेक्टिविटी से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में घरेलू और विदेशी निवेश को भी व्यापक बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आरआरटीएस जैसी अत्याधुनिक सेमी हाईस्पीड परिवहन परियोजनाएं प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई ऊर्जा देने के साथ आम नागरिकों के जीवन को सुगम बना रही हैं। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरनगर-हरिद्वार आरआरटीएस कॉरिडोर दशकों से क्षेत्रवासियों की महत्वपूर्ण मांग रही है। इस परियोजना के लिए सैद्धांतिक सहमति मिलना पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है।

अब हर वर्ष 25 जून से खुलेंगे परिषदीय विद्यालय

- 220 शिक्षण दिवस की तैयारी
- निपुण भारत मिशन का विस्तार कक्षा 5 तक
- स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण में आउट ऑफ स्कूल बच्चों पर फोकस

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधारों का दायरा लगातार व्यापक होता जा रहा है। बुनियादी शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए सरकार शिक्षक सशक्तीकरण, छात्र नामांकन, अधिगम सुधार, स्वास्थ्य सुरक्षा और मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण पर एक साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को यूट्यूब लाइव सत्र के माध्यम से प्रदेशभर के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, एआरपी, एसआरजी और डायट मेंटर्स से संवाद करते हुए शिक्षा विभाग की आगामी कार्ययोजना और प्राथमिकताओं को साझा किया।

उन्होंने बताया कि अत्यधिक गर्मी के कारण बार-बार अवकाश बढ़ाने की स्थिति से बचने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप न्यूनतम 220 शिक्षण दिवस सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब परिषदीय विद्यालय प्रत्येक वर्ष 25 जून से संचालित होंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि विद्यालय खुलने पर बच्चों का आत्मीय स्वागत किया जाए तथा गर्मी को देखते हुए उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। संवाद के दौरान पार्थ सारथी सेन शर्मा ने स्पष्ट किया कि शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक परिवर्तन का केंद्र कक्षा कक्ष है और शिक्षक उसकी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर बनाई गई योजनाओं की सफलता अंततः शिक्षक की प्रतिबद्धता और कक्षा में उसके कार्य से तय होती है। इसलिए शिक्षा सुधारों में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई से शुरू होने वाले स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण में विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान और नामांकन पर विशेष फोकस रहेगा।

आशा कार्यकताओं के जन्म रिकॉर्ड और स्थानीय स्तर की सूचनाओं की सहायता से ऐसे बच्चों तक पहुंच बनाई जाएगी। साथ ही कक्षा 5 से कक्षा 6 में विद्यार्थियों के निर्बाध प्रवेश को सुनिश्चित कर ड्रॉपआउट दर कम करने पर भी विशेष बल दिया जाएगा। नियमित उपस्थिति और सीखने में पीछे रह गए बच्चों के लिए कैच-अप शिक्षण को भी प्राथमिकता दी जाएगी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि निपुण भारत मिशन का दायरा अब कक्षा 5 तक विस्तारित किया जा रहा है। भाषा, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य स्तर पर एसआरजी और डायट मेंटर्स का प्रशिक्षण प्रारंभ हो चुका है, जो आगे जिला और ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। आगामी 6 जुलाई को आयोजित होने वाली निपुण संकल्प कार्यशाला में अकादमिक और प्रशासनिक तंत्र मिलकर निपुण जनपद बनाने का संकल्प लेगा। उन्होंने विद्यालयों में पुस्तकालयों, प्रिंट समृद्ध सामग्री और अभिभावक सहभागिता को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। होलिस्टिक प्रोग्रेस रिपोर्ट को और अधिक प्रभावी बनाते हुए उसे वर्ष में दो बार अभिभावकों के साथ साझा करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही विद्यालयों में ड्रॉप एवरीथिंग एंड रीड अभियान जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की भी बात कही गई।

शिक्षकों के कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और उनके परिवारों को 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने सभी पात्र लाभार्थियों से समयबद्ध पंजीकरण कराने की अपील की। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में लगभग 11 हजार शिक्षकों और 10 हजार अनुदेशकों की भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाए जाने की जानकारी भी दी। संवाद के अंत में उन्होंने शिक्षकों से अध्ययन और पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। मुंशी प्रेमचंद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि निरंतर अध्ययन ही बेहतर शिक्षण और व्यक्तित्व विकास का आधार है।

अखिलेश ने घायल छात्रों से की मुलाकात

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केजीएमयू लखनऊ जाकर अलीगंज के कोचिंग अग्निकांड में बुरी तरह घायल नौजवान जयंत कुमार से मुलाकात की और उसका हालचाल जाना। डॉक्टरों से उन्होंने उसकी चिकित्सा व्यवस्था पर भी चर्चा की। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी तथा उत्तरी विधानसभा की प्रत्याशी पूजा शुक्ला भी मौजूद रही। अखिलेश यादव ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन हुआ होता तो अलीगंज में इतनी बड़ी घटना नहीं होती। सरकार पीड़ित परिवारों की एक करोड़ रुपए देकर मदद करें। जो घायल हुए हैं उनका पूरा इलाज हो। जो नौकरी कर रहे थे उनको स्वस्थ होने तक पूरा वेतन दिया जाय।

केजीएमयू के बाहर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अहंकार में चूर है। इसे न कुछ दिखाई देता है और न कुछ समझती है। लोगों ने देखा कि कैसे इस सरकार ने बुलडोजर चलाकर अकबर नगर के लोगों को हटा दिया था। इससे पहले अग्निकांड की घटना में मुख्यमंत्री ने कहा था कि 24 घंटे में बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर देंगे लेकिन क्या हुआ? गरीबों को उजाड़ने के लिए आग लगा दी गयी थी लेकिन दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई?

इस अवसर पर यामीन खान समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय महासचिव, समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवी, अदनान खान, फखरूल हसन चांद प्रवक्ता, नवीन धवन बंटी एवं अन्य सपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अजय राय ने केजीएमयू में घायल छात्रों का जाना हाल

- कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय पर अजय राय की अध्यक्षता में कांग्रेसियों ने आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राजधानी के पुरनिया, अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में हुए हृदयविदारक भीषण अग्निकांड में 15 मासूम छात्रों की जिंदा जलकर हुई दर्दनाक मृत्यु एवं कई छात्रों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार की दोपहर को मेडिकल कालेज पहुंकर उनका हालचाल जाना, उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना दी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इसके बाद शाम को भीषण अग्निकांड में छात्रों के असामयिक दुःखद निधन पर उनकी आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के लिए प्रदेश मुख्यालय पर अजय राय की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। इस मौके पर दो मिनट मौनकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शासन और प्रशासन की अर्कमण्यता और उदासीनता के चलते यह दुःखद घटना हुई है। छोटे-छोटे 20 से 21 साल के 15 बच्चों की दुःखद मृत्यु हुई है। यह हृदय को विचलित करने वाली घटना है। सरकार को इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल सख्त कदम उठाना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के अलावा सांसद राकेश राठौर, प्रो. विनोद चन्द्रा, सुरेन्द्र यादव, रूद्रदमन सिंह बबलू, अमित श्रीवास्तव त्यागी, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, प्रमोद सिंह, अनामिका यादव, शुचि विश्वास सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कई नेताओं ने ली कांग्रेस की सदस्यता

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के समक्ष बस्ती, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, उन्नाव एवं लखनऊ के तमाम लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर उप्र कांग्रेस कमेटी के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने विधिवत कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलायी। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद अयोध्या के राम निहाल निषाद, लखनऊ के कपिल मुनि यादव, राघव कुमार स्वर्णकार, कृष्णा मुरारी यादव, ठाकुरदीन निषाद, डा. तालेवर सिंह, शेखर मोहम्मद शफीक, अख्तर मलिक, शमसुल हसन आरा, शफीक अहमद, सलमान कादिर, जनपद बस्ती के श्याम लाल सोनकर, अम्बेडकरनगर के अवनीश कुमार, डा. टीएस यादव, राम सूरत वर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, उन्नाव के डा. चन्द्रपाल सिंह, नवनीत वर्मा, उदयराज सिंह आदि ने भी अपने साथियों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

बीएसबी से संबद्ध विद्यालयों को मुख्यधारा से जोड़ रही योगी सरकार

- यू-डायस प्लस कोड आवंटन और विद्यालय श्रेणी उन्नयन की प्रक्रिया को मिली गति
- छात्रों के शैक्षणिक अभिलेखों को राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से जोड़ने की पहल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तकनीक सक्षम और छात्र केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। शिक्षा सुधारों को संस्थागत मजबूती प्रदान करने और प्रत्येक विद्यार्थी को सुव्यवस्थित शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़ने के क्रम में अब भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी), हरिद्वार से संबद्ध विद्यालयों के लिए यू-डायस प्लस कोड आवंटन तथा विद्यालय श्रेणी उन्नयन (स्कूल केटेगरी अपग्रेडेशन) की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है।

स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी द्वारा जारी निर्देशों के अंतर्गत संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह पहल विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों को राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल प्रशासन, तकनीक आधारित व डेटा प्रबंधन को लगातार मजबूती दी जा रही है। यू-डायस प्लस जैसी व्यवस्थाओं के विस्तार से शिक्षा प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों को इस व्यवस्था से जोड़ने की पहल विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित करने, अभिलेखों के बेहतर प्रबंधन तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के लिए नवीन यू-डाइस प्लस कोड आवंटन तथा आवश्यकतानुसार विद्यालय श्रेणी उन्नयन की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों, जिला विद्यालय निरीक्षकों तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन, सत्यापन और संस्तुति की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि जिन विद्यालयों के पास यू-डायस प्लस कोड उपलब्ध नहीं हैं, जबकि पूर्व से यू-डायस कोड प्राप्त विद्यालयों के लिए मान्यता के अनुरूप विद्यालय श्रेणी उन्नयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक अभिलेखों, आख्या और संस्तुति सहित प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्रवाई आगे बढ़ाई जा सके। उल्लेखनीय है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड, हरिद्वार द्वारा संचालित एवं संबद्ध विद्यालयों के लिए यू-डायस प्लस पोर्टल पर नवीन कोड आवंटन तथा कक्षा उन्नयन संबंधी अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

डिप्लोमा इंजीनियर्स के प्रतिनिधि मंडल ने आयोग के साथ की वार्ता

- आल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स के प्रतिनिधि मंडल ने 8वें वेतन आयोग के समक्ष रखा अपना पक्ष

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आठवें वेतन आयोग नई दिल्ली का प्रतिनिधि मंडल सोमवार और मंगलवार को उत्तर प्रदेश में प्रवास पर रहा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल इस दो दिन के प्रवास में वेतन आयोग की सिफारिशों के परिपेक्ष्य में शासन का पक्ष भी सुना। इसी क्रम में आल इण्डिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स को भी अपना पक्ष रखने के लिए मंगलवार को बुलाया गया।

आल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष इं. एनडी द्विवेदी के नेतृत्व मे प्रतिनिधि मण्डल आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखा। प्रतिनिधि मण्डल में इं. एनडी द्विवेदी के साथ इं. एसएस दुबे पूर्व राष्ट्रीय महासचिव आल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स एवं इं. एचएन मिश्रा प्रांतीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने भागीदारी की। इस अवसर पर फेडरेशन द्वारा वेतन संरचना, न्यूनतम वेतन, फिटमेंट फैक्टर, वार्षिक वेतन वृद्धि, पे स्केल मर्जर के परिपेक्ष्य में आयोग के समक्ष अपना सुझाव रखा।

इसी क्रम में फेडरेशन विभिन्न भत्तो यथा महंगाई भत्ता, शैक्षिक भत्ता, अतिरिक्त कार्य भत्ता, प्रतिनियुक्ति भत्ता, आवास किराया भत्ता, उत्कृष्ठ सेवा भत्ता, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, पर्वतीय भत्ता, सिटी अलाउन्स, वाहन भत्ता एवं रात्रि सेवा भत्ता इत्यादि पर अपना पक्ष रखा। फेडरेशन द्वारा कार्मिकों को मिलने वाले विभिन्न अग्रिम यथा भवननिर्माण अग्रिम, वाहन अग्रिम के साथ ही साथ विभिन्न सुविधाओं एवं अवकाश यथा आकस्मिक अवकाश, अर्जित अवकाश, अर्धवेतन अवकाश, मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश, चिकित्सा अवकाश, एलटीसी, ग्रुप इंश्योरेंयस, एक्स ग्रेसिया, जीपीएफ एवं अनुकम्पा नियुक्ति पर भी अपना सुझाव दिया।

फेडरेशन द्वारा कार्मिकों को परफार्मेंस पे, बोनस, इंसेंटिव के साथ ही साथ स्थानांतरण नीति पर भी अपना पक्ष रखा। फेडरेशन द्वारा कैडर मैनेजमेंट एवं कैरियर प्रोग्रेशन पर भी अपना सुझाव दिया गया। फेडरेशन द्वारा विभिन्न सेवानिवृत्तक लाभों पर भी अपना सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त फेडरेशन द्वारा पुरानी पेंशन बहाली योजना पर भी दमदारी से अपना पक्ष रखा गया। इस अवसर पर फेडरेशन द्वारा फिटमेंट फैक्टर 3.93 रखे जाने के साथ ही न्यूनतम वेतन 70,700 रुपये तथा जूनियर इन्जीनियर्स का न्यूनतम वेतन 1,39,000 रुपये रखे जाने की मांग की गयी।

फेडरेशन द्वारा वार्षिक वेतन वृद्धि 06 प्रतिशत किये जाने के साथ ही वर्तमान पे लेवल 6,7 एवं 8 को एक साथ मर्ज किये जाने तथा लेवल 9 एवं 10 को एक साथ मर्ज किये जाने का सुझाव दिया। न्यूनतम एवं अधिकतम वेतनमान का अनुपात अधिकतम 1:10 रखे जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा जूनियर इंजीनियर्स के साथ तीसरे वेतनमान से लगातार चली आ रही विसंगति को भी ठीक करने का सुझाव दिया। फेडरेशन द्वारा अतिरिक्त योग्यता के लिए 10 प्रतिशत भत्ता दिये जाने के साथ ही मकान किराया भत्ता शहर वर्गीकरण के अनुसार क्रमशः 45 प्रतिशत, 40 प्रतिशत एवं 35 प्रतिशत रखे जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा ट्रांसपोर्ट अलाउंस को तीन गुना बढ़ाये जाने, पर्वतीय भत्ता 15 प्रतिशत एवं सिटी अलाउंस 7 प्रतिशत रखे जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा प्रति बच्चा प्रतिमाह 10,000 रुपये शिक्षा भत्ता दिये जाने की मांग की।

फेडरेशन द्वारा बिना ब्याज कम्प्यूटर अग्रिम दो लाख रुपये, गृह निर्माण की अग्रिम अधिकतम दो करोड़ रुपये तथा वाहन अग्रिम अधिकतम पंद्रह लाख रुपये दिये जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा आकस्मिक अवकाश 15 दिन, अर्जित अवकाश की सीमा 600 दिन तथा मातृत्व अवकाश 240 दिन दिये जाने के साथ ही 45 दिन का पितृत्व अवकाश दिये जाने की मांग की।

फेडरेशन द्वारा एलटीसी की सुविधा में वृद्धि करते हुए चार वर्ष में एक बार अंतर्देशीय तथा पूरी सेवा अवधि में दो बार अंतर्राष्ट्रीय किये जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा ड्यूटी पर दुर्घटना से मृत्यु पर दो करोड रुपये एक्स ग्रेशिया भुगतान की मांग की। फेडरेशन द्वारा बोनस मद में वास्तिविक वेतन एवं महंगाई भत्ता की धनराशि दिये जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा एमएसीपी योजना के अंतर्गत क्रमशः, 6 वर्ष, 12 वर्ष, 18 वर्ष, 24 वर्ष एवं 30 वर्ष की सेवा अवधि पर 5 अपग्रेडेशन प्रोन्नति पद का दिये जाने की मांग की। सेवानिवृत्ति पर 600 दिन का लीव इन्कैशमेंट दिये जाने तथा ग्रेच्युटी की उपरी सीमा 75 लाख रुपये किये जाने की मांग की। फेडरेशन द्वारा एनपीएस/यूपीएस को वापस लेते हुए पुरानी पेंशन योजना को बहाल किये जाने की मांग की। आल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स पूरे भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र में तैनात चार लाख से अधिक डिप्लोमा इंजीनियर्स का प्रतिनिधित्व करता है।

संक्षेप

परचून के टीन गोदाम में लगी आग हजारों का सामान जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर स्थित पावर हाउस बाईपास पर एक परचून के टीन गोदाम में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया, जिससे करीब 50 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।दुकानदार नितिन कुमार ने बताया कि वह अपनी दूसरी दुकान पर बैठे थे। मंगलवार सुबह करीब दस बजे कुछ राहगीरों ने गोदाम से धुआं निकलते देखा और उन्हें इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नितिन कुमार मौके पर पहुंचे।गोदाम का शटर खोलने पर आग की लपटें देखकर अफरा-तफरी मच गई। घर और आसपास के लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी।घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा हजारों रुपये का परचून का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। नितिन कुमार के अनुसार, उनके दो टीन-शेड के गोदाम थे, जिनमें परचून का सामान रखा था। आग की लपटें दोनों गोदामों तक पहुंच गईं, लेकिन एक गोदाम का सामान पूरी तरह जल गया।

दो घरों को चोरों ने बनाया अपना निशाना नगदी समेत पार दिए लाखो के जेवरात

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के दो गांवों में बीती रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए नगदी और जेवरात समेत लाखों रुपये का सामान पार कर दिया। घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।पहली घटना शहजादखेड़ा गांव की है। यहां ओमप्रकाश के घर में घुसे चोरों ने खिड़की की ग्रिल काटकर अंदर प्रवेश किया और घर में रखी नगदी व जेवरात समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। सुबह परिजनों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला और चोरी की जानकारी हुई।दूसरी घटना सधऊखेड़ा गांव में हुई। यहां सोनू पुत्र रामकिशोर के घर को चोरों ने निशाना बनाया। चोर दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए और करीब 25 हजार रुपये की नगदी तथा जेवरात समेत लगभग डेढ़ लाख रुये मूल्य का सामान उठा ले गए।दोनों घटनाओं की पीड़ितों ने अजगैन कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

सर्राफा कारोबारी से हुई लाखो की लूट का पुलिस ने किया खुलासा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस ने सर्राफा व्यवसायी से हुई लाखों रुपये की लूट का खुलासा कर दिया है। एसओजी, सर्विलांस और औरास पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 8 किलोग्राम चांदी के जेवरात, बिक्री के 4.50 लाख रुपये नकद और घटना में इस्तेमाल की गई फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल बरामद की है।

वरिष्ठपुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के अनुसार, यह घटना बीते 8 जून को हुई थी।

रामपुर खंझड़ी निवासी सर्राफा व्यवसायी प्रभात कुमार ने थाना औरास में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि सीसी चौराहा स्थित अपनी ज्वैलरी की दुकान बंद कर वह चांदी के आभूषणों से भरा बैग लेकर घर जा रहे थे।शाम करीब 7 बजे दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार बदमाशों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया और चांदी के जेवरों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठपुलिस अधीक्षक उन्नाव ने घटना के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस और थाना औरास पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की थीं। जांच के दौरान पुलिस को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि घटनास्थल से लगभग 16 किलोमीटर तक कोई सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद, पुलिस टीमों ने गहन छानबीन कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की।पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने वारदात को अंजाम देने से पहले कई महीनों तक रेकी की थी। आरोपी रंजीत ने लगभग पांच माह पहले सर्राफा दुकान और व्यापारी के आने-जाने के रास्ते की विस्तृत जानकारी जुटाई थी। इसके बाद, बदमाशों ने तीन दिन तक लगातार शाम के समय रेकी की। उन्होंने ऐसी दुकान को निशाना बनाया जहां तिजोरी की व्यवस्था नहीं थी और दुकानदार के गांव का नाम दुकान पर लिखा होने से उनके आने-जाने का रास्ता आसानी से पता चल गया था।पुलिस के अनुसार, बदमाश ऐसी जगहों पर वारदात करते थे जहां से भागने के लिए नहर पटरी या ऐसे रास्ते उपलब्ध हों, जहां सीसीटीवी कैमरे न लगे हों। घटना में इस्तेमाल होने वाले वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई जाती थी ताकि उनकी पहचान न हो सके।

ट्रेन से नीचे गिरे घायल युवक की जीआरपी के जवान ने बचाई जान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जीआरपी जवानों ने एक घायल यात्री की जान बचाई। चलती ट्रेन से गिरे बिहार निवासी यात्री को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसे तत्काल उपचार मिल सका। जानकारी के अनुसार, बिहार के मोहम्मदपुर थाना, जिला बुझा निवासी सोराज पुत्र नागेश्वर ट्रेन से यात्रा कर रहे थे।इसी दौरान वह चलती ट्रेन से गिरकर रेलवे ट्रैक के पास गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर रेलवे ट्रैक दुर्गम होने और वाहन की अनुपलब्धता के कारण घायल को अस्पताल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में उन्नाव जीआरपी में तैनात आरक्षी सचिन ने साहस दिखाते हुए घायल यात्री को अपने कंधों और गोद में उठाया। वह करीब 1.5 किलोमीटर पैदल चलकर उसे अस्पताल ले गए।इस दौरान जीआरपी के उपनिरीक्षक सूरज कन्नौजिया, मुख्य आरक्षी संजीव कुमार और आरक्षी पंकज यादव ने भी सक्रिय सहयोग किया। पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों से घायल यात्री को समय रहते चिकित्सकीय सहायता मिल पाई। जीआरपी कर्मियों की इस तत्परता और सेवा भावना की घायल यात्री और उनके परिजनों ने सराहना की। परिजनों ने बताया कि पुलिसकर्मियों की समय पर की गई मदद से घायल को बेहतर इलाज मिल सका। जीआरपी थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जवानों का कर्तव्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भी है। उन्होंने बताया कि जीआरपी टीम ने घायल यात्री की मदद कर पुलिस की मानवीय छवि को मजबूत किया है।

निराला उद्यान प्रभारी ने उद्यान बुक भेट कर जिला पंचायत अध्यक्ष को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। प्रभारी निराला उद्यान ने जिला पंचायत अध्यक्ष को उद्यान विभाग की बुक टेबल भेट कर सम्मानित किया जिला पंचायत परिसर में जिला उद्यान प्रभारी वीरेंद्र सिंह चंदेल ने जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह को उद्यान विभाग की बुक टेबल भेट कर सम्मानित किया इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि युवा भाजपा नेता शंशाक शेखर शनि सिंह जिला पंचायत सदस्य अशोक कुमार सिंह चंदेल बबलू सिंह चंदेल अखंड प्रताप सिंह मनीष सिंह प्रभात सिंह नरेंद्र सिंह समेत काफी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

ज्येष्ठ के बड़े मंगलवार को जिला पंचायत अध्यक्ष ने कराया भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ज्येष्ठ माह के आठवें बड़े मंगलवार को पूरा जनपद भक्तिमय हो उठा। शहर से लेकर गांवों तक स्थित हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। जगह-जगह भंडारे भी लगे, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने सुबह स्नान के बाद मंदिरों में पहुंचकर भगवान हनुमान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। जिला पंचायत परिसर के ठीक सामने निराला प्रेक्षागृह में जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह व उनके प्रतिनिधि युवा भाजपा नेता शंशाक शेखर शनि ने संगीतमय सुंदर कांड व विशाल भंडारे का आयोजन कराया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर शिवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गोलू जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह चंदेल जिला पंचायत सदस्य दिलीप कुमार उर्फ गुड्डू मिश्रा बबलू सिंह चंदेल मनीष सिंह प्रभात सिंह नरेंद्र सिंह समेत हजारों की संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।भीषण गर्मी को देखते हुए कई स्थानों पर शरबत और पेयजल शिविर भी लगाए गए। व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को ठंडा शरबत और पानी उपलब्ध कराया। इन शिविरों पर दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही।

अवैध कोचिंग सेंटरों पर की जाएगी कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अवैध कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। ये संस्थान बिना पंजीकरण और अग्निशमन सुरक्षा प्रणाली के संचालित हो रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय ने इस संबंध में अपनी आख्या जिलाधिकारी कार्यालय को भेज दी है। यह मामला आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज एक शिकायत से जुड़ा है।

शिकायतकर्ता ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत संख्या 40015626007550 दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जनपद में कई कोचिंग संस्थान बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। इसमें विशेष रूप से स्टेशन रोड स्थित एक संस्थान का उल्लेख किया गया, जहां कथित तौर पर 400 से 500 छात्रों को बिना पंजीकरण के पढ़ाया जा रहा है।

डीआईओएस द्वारा भेजी गई आख्या के अनुसार, जनपद के अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे। इन नोटिसों में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बिना पंजीकरण संचालित कोचिंग संस्थानों को तत्काल बंद किया जाए।

नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई थी कि यदि दोबारा इन संस्थानों का संचालन पाया जाता है, तो कोचिंग अधिनियम 2002 की धारा 7 (1) (ख) एवं 7 (1) (ग) के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नियमानुसार आर्थिक दंड एवं विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

आख्या में यह भी बताया गया है कि शिकायतकर्ता से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर मामले की जानकारी साझा की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय ने जिलाधिकारी कार्यालय से इस शिकायत के शीघ्र निस्तारण का अनुरोध किया है। अब देखना होगा कि बिना पंजीकरण संचालित कोचिंग संस्थानों के विरुद्ध प्रशासनिक स्तर पर क्या कार्रवाई की जाती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकता मिला महिला का शव

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के रामपुर धौरा गांव में सोमवार को 20 वर्षीय महिला निशा पत्नी सोनू लाल का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के समय निशा की सास घर के बाहर वाले कमरे में अकेली थीं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर थे। जब सास अंदर गईं, तो उन्होंने निशा को घर के अंदर कमरे में दरवाजे की कुंडी से रस्सी से लटका हुआ पाया। इस दृश्य को देखकर घर में कोहराम मच गया। हसनगंज कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि एक महिला का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है। मृतका के मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। लड़की के पिता अंबर पुत्र मैकू निवासी वीर सिंह, थाना माखी ने हसनगंज कोतवाली में एक प्रार्थना पत्र दिया है। इसमें बताया गया है कि निशा की शादी एक साल पहले हुई थी और ससुराल पक्ष द्वारा लगातार दहेज की मांग की जा रही थी। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि दहेज न देने पर निशा की हत्या कर उसे फांसी पर लटका दिया गया। उन्होंने देवी प्रसाद, उनकी पुत्री माधुरी, सोनेलाल, नानक और रामविलास सहित अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

डौडिया खेड़ा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। सामाजिक वानिकी वन विभाग उन्नाव द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस 23 जून 2025 पर चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्राम सभा संग्रामपुर के गांव डौडिया खेड़ा में वृहद पौधरोपण किया गया।गंगा तट किनारे स्थित मां मोतिया महारानी मंदिर प्रांगण में विभिन्न प्रकार के वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। प्रधान शीला सिंह की उपस्थिति में पौधरोपण किया गया। इस मौके पर कोटेदार रतन पाल सिंह, प्रधान प्रतिनिधि शैलेंद्र प्रताप सिंह, मिथलेश पाल, अब्दुल खान, घनश्याम, पुष्पराज, राजन पांडे, रमेश पासी, छोटू पासी, पूतराज सहित गांव के संभ्रांत लोग उपस्थित रहे। वन विभाग के दरोगा राम बहादुर सिंह, मोहित दुबे व रामकुमार ने कर्मचारियों के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न कराया।गौरतलब है कि डौडिया खेड़ा गांव सोने के नाम से विश्व स्तर पर जाना जाता है।

जिला अस्पताल परिसर में गिरा पेड़ दो बाईकें हुई क्षतिग्रस्त

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला अस्पताल के उमा शंकर दीक्षित परिसर में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक विशाल यूकेलिप्टस का पेड़ अचानक मुख्य मार्ग पर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से वहां खड़ी दो मोटरसाइकिलें उसकी चपेट में आ गईं और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के समय अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि पेड़ गिरने के दौरान कोई व्यक्ति उसकी चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही महिला सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार और पुरुष सीएमएस डॉ. सुनील कुमार शुक्ला मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और तत्काल कर्मचारियों को पेड़ हटाने के निर्देश दिए। इसके बाद मार्ग को खाली कराने का कार्य शुरू कराया गया। अस्पताल प्रशासन ने क्षतिग्रस्त वाहनों की जानकारी जुटाने के साथ ही परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। घटना के बाद अस्पताल आने-जाने वाले लोगों को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा, हालांकि पेड़ हटाने के बाद यातायात को सामान्य कर दिया गया।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में रविवार की रात दो पक्षों के बीच गाली-गलौज के साथ ही मारपीट की घटना में दोनों पक्षों से पांच लोग घायल हो गए दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों से सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

थाना क्षेत्र के टेनई गांव निवासी सुनीती सिंह पत्नी शिवेंद्र सिंह ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि रविवार की रात वह पति के साथ दुकान में सो रही थी इसी बीच गांव निवासी राज कुमार सिंह, विपिन सिंह, रामजी सिंह पुत्रगण छोटे सिंह, पवन कुमार सिंह उर्फ गोलू पुत्र ओमप्रकाश के साथ बोलेरो गाड़ी से आए और गाली-गलौज करने लगे बिरोध किया तो मारपीट करने लगे बचाव के लिए पति शिवेंद्र सिंह भाई करतार सिंह मौके पर पहुंचा तो उनके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी वही दूसरे पक्ष से पुष्पा देवी पत्नी राज कुमार सिंह ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि भाई वीर सिंह पुत्र बाबू सिंह के साथ रविवार की रात गंगा एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड के किनारे दुकान पर थी तभी शिवेंद्र सिंह, कमलेंद्र सिंह पुत्रगण केशन पाल सिंह, आंसू सिंह पुत्र सत्यवीर सिंह के साथ दुकान पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे बिरोध किया तो मारपीट की जिससे भाई के पास रखे दस हजार रुपये की नगदी गले की माला व कान के बाला सोने के जोकि मारपीट के दौरान गिर गए और खोजबीन के बाद भी नहीं मिले इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना में दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगाया गया है तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों से सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

लुट की घटना में शामिल एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज पांच माह पूर्व दो सौ टीन रिफाइंड लूट की घटना में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन समेत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।जहां से उसे जेल भेजा गया है। 17 फरवरी 26 को रनिया कानपुर से दो सौ टीन रिफाइंड लाद कर सलवन रायबरेली जा रहे एक पिकप को वाहन सवार बदमाशों ने अचलगंज पुरवा मार्ग पर लूट लिया था लुटेरों ने गन प्वाइंट पर वाहन चालक के हाथ पर बांध कर सड़क के किनारे फेक रिफाइंड लदा पिकप लेकर भागने में सफल रहे थे। लूट की घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों बाद मुखबिर की सूचना पर थाने के गड़सर गांव स्थित एक मकान से डेढ़ सौ टीन रिफाइंड और छिपा कर खड़ा किए गए पिकप वाहन को बरामद कर घटना में शामिल रहे अभियुक्त सुपासी गांव निवासी हिमांशू यादव व गड़सर के दशरथ लोधे को जेल भेजा गया था घटना में नाम प्रकाश में आने के बाद से फरार चल रहे मौरावा थाने के गुलरिहा निवासी ऋषभ बाजपेई को पुलिस ने लूट में शामिल काले रंग के सफारी वाहन समेत मंगलवार को कोयला नगर चौकी कानपुर निकट से गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष सुब्रत त्रिपाठी ने बताया कि ऋषभ बाजपेई शातिर अपराधी है इसके विरुद्ध कानपुर के कई थानों में नकली पेंट बनाने के कापी राइट समेत कई मामले पहले से दर्ज है।इसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

मोहर्रम की छठी तारीख को निकाला गया जुलूस

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। मोहर्रम की छठी तारीख पर नगर एवं क्षेत्र में अकीदत और के साथ छड़ , अलम एवं चौकी के जुलूस निकाले गए। जुलूसों में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और हजरत इमाम हुसैन की याद में मातमी रस्में अदा की गईं।इस दौरान इमाम हुसैन की सवारी के प्रतीक दुलदुल घोड़े को दूध और जलेबी खिलाकर लोगों ने अपनी मुरादें मांगीं तथा अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की। नगर के मोहल्ला दरगाह शरीफ स्थित मीर सैयद अलाउद्दीन (मीरा शाह बाबा) की दरगाह से जहीर अहमद वारसी की कयादत में छड़ का जुलूस निर्धारित समय पर रवाना हुआ। जुलूस दरगाह शरीफ से निकलकर मोहल्ला किला शाह जी, गुलाम मुस्तफा सहित विभिन्न मार्गों से होता हुआ हटिया पहुंचा। हटिया में पहुंचने पर पुरबिया टोला से निकला अलम का जुलूस भी इसमें शामिल हो गया। दोनों जुलूस कुछ समय तक हटिया में ठहरे। जहां लोगों ने फातिहा पढ़ी और इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। इसके बाद मध्यरात्रि के आसपास दोनों जुलूस अपने-अपने उद्गम स्थलों के लिए रवाना हुए और वहां पहुंचकर समापन हुआ। जुलूसों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। इसी क्रम में ग्राम सुरसेनी में आयोजित चौकी और अलम के जुलूस में अंजुमनों और अकीदतमंदों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। सुरसेनी जोगी कोट, की अंजुमनों ने नौहाख्वानी और मर्सियाख्वानी के बीच कर्बला के शहीदों को खिराज ए-अकीदत पेश की गई। जुलूस के दौरान माहौल पूरी तरह गमगीन रहा और या हुसैन की सदाओं से फिजा गूंज उठी। अंसार अली के नेतृत्व में रात लगभग नौ बजे रवाना हुआ। इस दौरान

अंसार अली, जलील अली, खलील अली, जमील अली, शकील अली, अकील अली, कफील अली, मुद्दी अली, निसार अली, जीशान अली, अहसान अली, आदि ने सभी इंतिजाम किये।

ट्रेन की चपेट से वृद्ध की हुई दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक हादसा हो गया। गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान अरविंदर कुमार पाण्डेय (70) पुत्र स्वर्गीय किशन मोहन के रूप में हुई है, जो गांधी नगर, थाना गंगाघाट, उन्नाव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि अरविंदर कुमार सुबह अपने घर से गंगा स्नान के लिए निकले थे। इसी दौरान गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास वह बालामऊ ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को मृतक के पास से आधार कार्ड बरामद हुआ, जिसके आधार पर उनकी पहचान हो सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।परिजनों के अनुसार, अरविंदर कुमार लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। मृतक के परिवार में दो बेटे और एक बेटी सहित तीन बच्चे हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बुजुर्ग किस परिस्थिति में ट्रेन की चपेट में आए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, रेलवे स्टेशन के आसपास अक्सर लोगों की आवाजाही रहती है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ़ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

वैसे नैतिकता की चर्चा अब किसी भी क्षेत्र में बेमानी और अप्रासंगिक है, लेकिन हाल ही की राजनीतिक उठापटक बेहद निराश करती है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय भी दरकार हैं। भारतीय राजनीति के इतिहास में उन्नीस सौ साठ और सत्तर के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष उन्नीस सौ पच्चासी में संविधान के बावनवें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नजर डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबदल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नजर डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

खास बातें

- अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।
- यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भरभरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक प्रदर्शन करने की जगह बनकर रह गई हैं। इन तमाम गंभीर खामियों और दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में काफी हद तक अपर्याप्त और अक्षम साबित हो रहा है।

आया राम-गया राम

क्या इन कमियों के आधार पर इसे पूरी तरह से अप्रासंगिक मानकर रद्दी की टोकरी में डाल देना चाहिए? इसका उत्तर है-बिल्कुल नहीं। दलबदल कानून ने व्यक्तिगत स्तर पर होने वाली सौदेबाजी और 'आया राम-गया राम' की उस पुरानी, निर्लज्ज संस्कृति पर जरूर एक मजबूत लगाम लगाई है। यदि यह कानून बिल्कुल न हो, तो शायद हर दिन सरकारें गिरेंगी और बनेंगी, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। दलबदल विरोधी कानून पर निश्चित रूप से एक समग्र और गंभीर पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल

असमंजस

डॉ. पवन कुमार शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे मुखर चेहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हराने की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी के खिलाफ लड़ते हैं। ममता किसी भी कीमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक संभाले रखा। टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पैर पसारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षत्रप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जूनियर पार्टनर' बनकर काम करने में असहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा

सियासत

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजारू सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी गलतियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है। इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और 'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाज़ार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनादेश का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है। मानों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो।

'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूँढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर

मंथन

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नजर नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते है और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मजबूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंटा हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों की मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए।

राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफ़ीवीर कहने पर सावरकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नजर नहीं आए। बात चाहे देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नजर आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं, एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा, जहां बीस वर्षों से सत्ता पर काबिज नवीन पटनायक को एनडीए के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। एक और ताज़ा उदाहरण अजेय माने जाने वाले बंगाल का है, जहां सबसे आक्रामक राजनीति करने वाली ममता बनर्जी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा जो 2022 में की थी और न्याय यात्रा जो 2024 में की, इन दोनों यात्राओं के माध्यम से उन्होंने देश को एकजुट करने का दावा किया, लेकिन उनके सहयोगी दलों का साथ उनको नहीं मिला। इसका परिणाम ये हुआ इन दोनों यात्राओं के जितने सार्थक परिणाम विपक्ष को मिल सकते थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

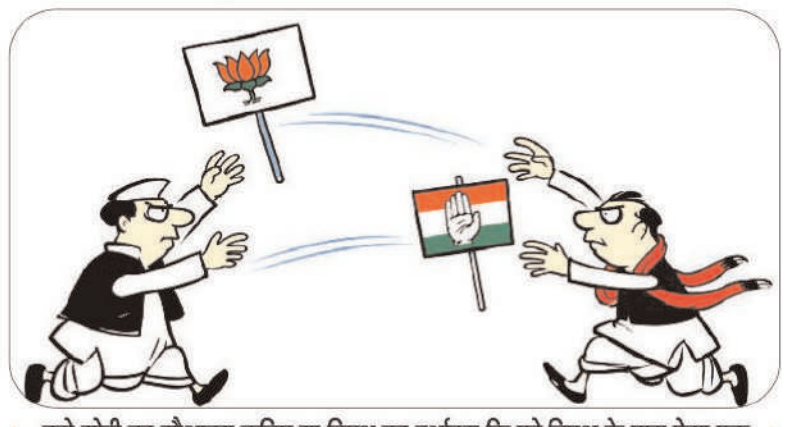

इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

संक्षेप

फखरपुर पुलिस ने 24 घंटे में गुमशुदा 14 वर्षीय बालक को बरामद कर परिजनों को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। थाना फखरपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 14 वर्षीय गुमशुदा बालक को 24 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मनीष पुत्र ननकऊ निवासी पट्टी कमालपुर, थाना फखरपुर ने थाने में तहरीर दी कि उनका 14 वर्षीय भाई मुकेश को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। तहरीर मिलते ही थानाध्यक्ष फखरपुर संजीव चौहान के निर्देश पर पुलिस टीम गठित कर गुमशुदा बच्चे की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर बालक मुकेश को सकुशल बरामद कर लिया। बालक को बरामद करने के बाद उसके पिता ननकऊ को फोन पर सूचना दी गई। पिता के थाने पहुंचने पर बालक से पूछताछ की गई और उसका बयान दर्ज किया गया। बच्चे को उसके पिता ननकऊ को सौंप दिया गया है। मामले में अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। थाना फखरपुर पुलिस के इस सराहनीय कार्य की क्षेत्र में हो रही चर्चा।

भाभी का जेवर चुराकर भागा देवर गिरफ्तार

जायस पुलिस ने किया खुलासा, चोरी का हार और झुमकी बरामद

अमेठी, पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा किया है। जायस थाना पुलिस ने अपनी भाभी के जेवर चुराकर फरार हुए देवर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी किया गया एक हार और एक जोड़ी झुमकी बरामद की गई है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत जायस पुलिस को यह सफलता मिली। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे आरोपी रोहित कौशल उर्फ गुड्डू को पकड़ा।पूछताछ में आरोपी रोहित कौशल उर्फ गुड्डू, पुत्र मेवालाल, निवासी पुरानी बाजार अल्ताफगंज, कस्बा व थाना जायस, उम्र करीब 26 वर्ष ने अपना जुर्म कबूल किया। उसने बताया कि 17 जून की शाम को उसने अपनी भाभी के घर से हार और झुमकी चोरी की थी।तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से पीली धातु का एक हार और एक जोड़ी झुमकी बरामद हुई।

मुकदमे से आरोपी का नाम हटाने का आरोप

पीड़ित ने मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग की

अमेठी , एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अपने मुकदमे से आरोपी का नाम हटाए जाने का आरोप लगाया है। संग्रामपुर थाना क्षेत्र के गडेरी गांव निवासी अंशु गौतम पुत्र मेवालाल गौतम पीड़ित ने कहा कि उसने शिवम दुबे के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी द्वारा हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

बाल स्वरूप हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, एवं श्रद्धालुओं में वितरित हुआ प्रसाद

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। जेठ माह के अंतिम बड़े मंगलवार के पावन शुभ अवसर पर नगर पंचायत स्थित बाल स्वरूप हनुमान मंदिर में राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संघ के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि धर्मेंद्र शुक्ल रहे इस विशाल भंडारे के आयोजक जिला अध्यक्ष आरती वर्मा, पवन शुक्ल, बलराम शुक्ल, रमेश मिश्रा, काली प्रसाद गुप्ता, हिमांशु शुक्ल द्वारा किया गया आपको बताते चलें राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ल (गोपाल) श्री राम जानकी मंदिर के महंत श्री श्री 1008 भगवान दास एवं आचार्य दयाशंकर शुक्ल,सौजन्य से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके उपरांत पवनसुत हनुमान की विधि-विधान से आरती की गयी और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख जयप्रकाश सिंह, चेयरमैन डॉ उमाशंकर वैश्य, आदर्श थाना कोतवाली रुपईडीहा प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत, उप निरीक्षक जितेश सिंह, कांस्टेबल अजय राणा, भीमसेन मिश्र, आरपी दीक्षित, सर्वेश मिश्र, ललित त्रिपाठी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय मिश्र, राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी टीम नानपारा से विजय कुमार मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष, बछराज मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष नृगराज शर्मा जिला अध्यक्ष, बछराज मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष शिवपुर, देशराज मिश्र, अभिनव मित्तल, नगर प्रचारक नानपारा, कमलेश कुमार क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी राहुल सोनी, विवेक सोनी, तेज प्रसाद वर्मा समाजसेवी कन्हैया वर्मा, पत्रकार रुद्रप्रताप मिश्र, विनोद गिरी, श्याम मिश्र, रावेंद्र शर्मा , संजय वर्मा, मनीराम शर्मा, सहित आसपास के क्षेत्रीय नागरिकों नेपाल से आने जाने वाले यात्रियों सहित हजारों की संख्या में संख्या में सम्मानित प्रसाद ग्रहण करते हुए भक्त श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हुए जय बजरंगबली जय श्री राम जय जय श्री राम के नारे लगाते रहे।

नेपाल सीमा शुल्क नीति के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पत्र का भारत सरकार ने लिया संज्ञान

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। नेपाल की सीमा शुल्क नीति और उसके भारत-नेपाल सीमा व्यापार पर पड़ रहे प्रभाव के संबंध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल रूपईडीहा द्वारा उठाए गए मुद्दे पर भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने संज्ञान लिया है। व्यापार मंडल रूपईडीहा के अध्यक्ष शैलेश जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के एफटी (दक्षिण एशिया) प्रभाग द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि व्यापार मंडल रूपईडीहा के प्रतिनिधि एवं व्यापारी नेता शैलेश जायसवाल की ओर से भेजी गई जन शिकायत पर विभागीय स्तर पर जांच कर आवश्यक सुझावों और अनुरोधों को दर्ज कर लिया गया है। वाणिज्य भवन, नई दिल्ली से जारी पत्र में अवर सचिव अजय कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि नेपाल की सीमा शुल्क नीति और उसके सीमा व्यापार पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित मामले का परीक्षण किया गया है। इस संबंध में प्राप्त सुझावों और शिकायतों को नोट कर लिया गया है तथा आवश्यकता पड़ने पर भारत और नेपाल के बीच पहले से स्थापित संस्थागत तंत्र के माध्यम से इस मुद्दे को नेपाल सरकार के समक्ष उठाया जा सकता है।

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि चूंकि यह मामला दूसरे देश की आंतरिक नीतियों से जुड़ा हुआ है, इसलिए भारत सरकार सीधे तौर पर कोई एकतरफा निर्णय नहीं ले सकती। हालांकि, दोनों देशों के बीच होने वाली द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं और संयुक्त बैठकों के माध्यम से इस विषय पर विचार-विमर्श किया जा सकता है।

इस पत्र के माध्यम से केंद्र सरकार ने यह संकेत दिया है कि रूपईडीहा-बहराइच सीमा क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है और उचित मंचों पर इस विषय को उठाने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

पत्र सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरांत जारी किया गया है तथा इसकी प्रतिलिपि जन शिकायत (पीजी) सेल, वाणिज्य विभाग को भी प्रेषित की गई है।

संजय गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

पयागपुर, बहराइच। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं सांसद तथा युवाओं के प्रेरणास्रोत रहे स्वर्गीय संजय गांधी जी के 46वें पुण्यतिथि पर आज कांग्रेस नेता विनय सिंह तथा युवा नेता नरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में संजय गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावपूर्ण सैल्यूट किया तत्पश्चात मलूक सिंह पुरवा के गौशाला में अनाथ गायों को स्वल्पाहार कराकर उनका आशीर्वाद लेकर ग्रामवासियों के साथ जन सत्याग्रह करके 4 सूत्रीय मांगपत्र उपजिलाधिकारी पयागपुर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश को भेजा। मांगपत्र में बबया रेलवे पुल से कोट बाजार - ककरहा कुट्टी सम्पर्क मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराकर तत्काल निर्माण कराये जाने, गांव के परिक्रमा मार्ग को दबंगो के कब्जे से मुक्त कराकर मौका सत्यापन के पश्चात स्थापित करने, गौशाला में अत्यधिक सुविधा गौ रक्षा हेतु प्रदान करने, पंचायत भवन से बाले पुरवा तथा बाले पुरवा से दर्जी टोला सम्पर्क मार्ग को दुरुस्त कराने आदि मांगों शामिल हैं। उक्त अवसर पर कांग्रेस नेता विनय सिंह ने कहा कि यदि अबिलम्ब मांगे पूरी न हुई तो 9अगस्त से व्यापक रूप से आन्दोलन छेडकर आर पार का संघर्ष किया जावेगा। कार्यक्रम संयोजक नरेन्द्र मिश्रा ने कहा कि पूरे प्रदेश में सड़कें गड्ढा और अतिक्रमण मुक्त होकर संचारित है किन्तु हमारे गांव के लोग अभी भी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। इस अवसर पर ग्राम सभा के सदस्य चन्द्र कुमार मिश्र, चन्द्र किरण मिश्रा मोहम्मद निजाम पूर्व सदस्य गौतम प्रसाद मिश्र गजराज केवट राजित राम सोहन लाल हनीफ मोहम्मद शरीफ ननमुन राम सरन चौहान मोलहे प्रदीप, पप्पू गंगाराम झगरु खेलावन रक्षाराम सम्भर आदि लोगों ने अपने अपने बक्तब्य में जनहित कारी आन्दोलन को समर्थन करते हुए स्मृति शेष संजय गांधी जी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर व्याख्यान दिया।

कैसरगंज तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की हड़ताल

बार एसोसिएशन, स्टाम्प विक्रेता संघ, लेखक संघ व मुंशियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई नई फ्रंट कार्यालय व्यवस्था के विरोध में सोमवार को कैसरगंज तहसील परिसर में अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं, लेखकों एवं मुंशियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप सभी संबंधित संगठनों ने कार्य बहिष्कार करते हुए हड़ताल की और उपजिलाधिकारी कैसरगंज को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। बार एसोसिएशन कैसरगंज, स्टाम्प विक्रेता संघ कैसरगंज, लेखक संघ कैसरगंज तथा तहसील परिसर में कार्यरत मुंशियों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई फ्रंट कार्यालय व्यवस्था से वर्षों से तहसील परिसर में कार्य कर रहे अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं एवं अन्य कर्मचारियों के समक्ष रोजगार का संकट उत्पन्न हो जाएगा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इस नई व्यवस्था के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति बिना अधिवक्ता अथवा स्टाम्प विक्रेता की सहायता के सीधे अपना बैनामा एवं अन्य दस्तावेज पंजीकृत करा सकेगा, जिससे पारंपरिक व्यवस्था प्रभावित होगी। अधिवक्ताओं ने बताया कि महानिरीक्षक निबंधन द्वारा जारी पत्र के अनुपालन में इस व्यवस्था को लागू किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं स्टाम्प विक्रेताओं का आरोप है कि पूर्व से ही स्टॉक होल्डिंग कंपनी की कार्यप्रणाली के कारण उन्हें विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब नए नियमों के तहत द्वितीय पक्ष एवं संपत्ति विवरण (प्रॉपर्टी डिस्क्रिप्शन) भरने जैसी जिम्मेदारियां भी उन पर डाली जा रही हैं, जो पूर्व से चली आ रही व्यवस्था और नियमों के विपरीत हैं। प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं, लेखकों एवं मुंशियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाए तथा भविष्य में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न न हों जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसील परिसर में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, स्टाम्प विक्रेता, लेखक संघ के सदस्य तथा मुंशी मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

शोक संवेदना व्यक्त करने पीड़ित परिवारों के घर पहुंची बलहा विधायक

अमन लेखनी समाचार / मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच।पिछले दिनों दो स्थानों पर हुई आकस्मिक मौत के बाद बलहा विधायक श्रीमती सरोज सोनकर ने पीड़ित परिवारों के घर पहुंच कर परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की। तहसील मिहींपुरवा के ग्राम पंचायत गायघाट निवासी प्रख्यात कथावाचक कीर्तनकार धर्म प्रकाश त्रिपाठी पंछी महराज का पिछले शुक्रवार को हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया था। बलहा विधायक श्रीमती सरोज सोनकर ने सोमवार देर शाम उनके घर पहुंच कर उनकी पत्नी और बेटे पुनीत त्रिपाठी सहित अन्य परिजनों से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में हम आपके साथ हैं।इसके बाद बलहा विधायक श्रीमती सरोज सोनकर ग्राम पंचायत चंदनपुर के मजरा गोकुलपुर पहुंची जहां पिछले दिनों अंतिम संस्कार में शामिल होने गए दो युवकों की नदी में डूबने से मौत हो गई थी जिसमें गोकुलपुर निवासी पूर्व प्रधान राम सिंह वर्मा एडवोकेट के पुत्र अमित वर्मा उर्फ विवेक तथा केदारनाथ वर्मा के पुत्र अतुल वर्मा शामिल हैं। विधायक ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया।इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र मदेशिया, गायघाट मंडल अध्यक्ष धनीराम लोधी सभासद गुड्डू लोधी ,रामा दल मौर्य सहित कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता भी साथ रहे।

अवैध तमंचा, कारतूस के साथ एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार

कैसरगंज में 315 बोर का देशी तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बहराइच पुलिस ने अवैध हथियार रखने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

कैसरगंज थाना पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। यह कार्रवाई अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। यह गिरफ्तारी मंगलवार 23 जून 2026 को हुई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी कैसरगंज के निर्देश पर, प्रभारी निरीक्षक राजकुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कैसरगंज पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत वांछित अभियुक्त को पकड़ा गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जगत राम यादव (42 वर्ष) के रूप में हुई है। वह स्वामी दयाल यादव का पुत्र और सरदवन पुरवा चुलम्भा, थाना कैसरगंज, जनपद बहराइच का निवासी है। उसके पास से 315 बोर का देशी तमंचा और जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे माननीय न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार चंद्रा, कांस्टेबल गिरजाशंकर चौधरी, कांस्टेबल अचितानन्द तिवारी और कांस्टेबल संदीप पटेल शामिल थे। बहराइच पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपराध नियंत्रण और अवैध शस्त्र रखने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बड़े मंगल पर भंडारे के साथ हुआ कैम्प कार्यालय का शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। ज्येष्ठ माह के आठवें बड़े मंगल के शुभ अवसर पर 283 विधानसभा नानपारा में स्थित गुरघुट्टा बैंक मिहिपुरवा रोड पर समाजवादी पार्टी कैम्प जनसंपर्क कार्यालय का डॉङ्क संतोष चौधरी के द्वारा भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। 283 विधानसभा नानपारा से संभावित प्रत्याशी डॉ संतोष चौधरी के नेतृत्व मे इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे मे विधानसभा क्षेत्र के हजारों कार्यकर्त्ता व समाजवादी पार्टी समर्थकों का जन सैलाब बना रहा। इस दौरान विधानसभा नानपारा क्षेत्र से पहुंचे हजारों समर्थकों ने कैम्प कार्यालय के शुभारम्भ के अवसर पर पहुंचकर बड़े मंगल का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार संतोष मिश्रा, रामदीन गौतम, जयप्रकाश वर्मा, चंद्रप्रकास, रज्जब अली, रामबरन बर्मा, रामसूरत यादव, उमेश गौतम आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सफेद हाथी साबित हो रहा है रुपईडीहा मे लगा बीएसएनएल का टावर

सरकारी कामकाज ठप

अमन लेखनी समाचार /मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित कस्बा रूपईडीहा इन दिनों मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। क्षेत्र में लगभग सभी दूरसंचार कंपनियों की सेवाएं बदहाल हैं, जबकि एयरटेल का नेटवर्क सबसे अधिक प्रभावित बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फोन पर बातचीत के दौरान बार-बार आवाज बंद हो जाती है, कॉल कटती रहती है और कई बार कॉल कनेक्ट होने में भी काफी समय लग जाता है। इंटरनेट सेवा की स्थिति भी बेहद खराब है। कंपनियों द्वारा 5जी सेवा का दावा किया जा रहा है, लेकिन उपभोक्ताओं का आरोप है कि नेटवर्क की गति 4जी के स्तर तक भी नहीं पहुंच पा रही है। इसके चलते आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारियों, विद्यार्थियों और ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भर लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेपाल सीमा से सटे इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में केंद्रीय और प्रदेश सरकार के दर्जनों कार्यालय संचालित हैं, जिनका अधिकांश कार्य इंटरनेट आधारित है। नेटवर्क की खराब स्थिति के कारण इन कार्यालयों के कामकाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे प्रशासनिक कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित दूरसंचार कंपनियों और अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। लोगों ने सरकार और दूरसंचार कंपनियों से सीमा क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए नेटवर्क व्यवस्था में तत्काल सुधार कराने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि शीघ्र ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। सीमा क्षेत्र की आवश्यकताओं और यहां स्थित महत्वपूर्ण सरकारी संस्थानों को देखते हुए संचार सेवाओं को दुरुस्त करना समय की मांग बन गई है।

कैसरगंज में सातवीं मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कस्बा कैसरगंज में सातवीं मुहर्रम का जुलूस मंगलवार को शांतिपूर्ण एवं सकुशल वातावरण में संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान प्रशासन और पुलिस की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। उपजिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डी.के. श्रीवास्तव पूरे समय सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहे। सातवीं मुहर्रम के अवसर पर हजारों की संख्या में अकीदतमंदों ने जुलूस में भाग लिया। ढोल-ताशों और मातमी धुनों के बीच निकला जुलूस कैसरगंज मुख्य बाजार से होकर हनुमान मंदिर तिराहे की ओर रवाना हुआ। जुलूस में शामिल लोगों ने पूरे अनुशासन और सौहार्दपूर्ण माहौल के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। जुलूस मार्ग पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी। थाना प्रभारी कैसरगंज राजकुमार पांडे स्वयं पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो सके। प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों द्वारा बनाए गए आपसी भाईचारे, सहयोग और शांति व्यवस्था की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संबंधित विभागों की टीम पूरी तरह सतर्क है। सातवीं मुहर्रम का जुलूस सकुशल संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी रही।

6 माह पूर्व करवाई थी नसबंदी उसके बाद भी महिला गर्भवती

परिवार नियोजन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल ?

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर/बहराइच। परिवार नियोजन का चीरा हुआ फेल, चीरा अपनाने के बाद भी महिला हुई गर्भवती।बहराइच के शिवपुर विकासखंड के रामपुर धोबिया ग्राम पंचायत के सम्मनपुरवा मजरे में एक महिला परिवार नियोजन के बाद भी गर्भवती हो गई है। खुशबू देवी नामक इस महिला ने छह माह पहले आशा अंजली सरकार के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा में परिवार नियोजन का चीरा लगवाया था, लेकिन अब वह पांच माह की गर्भवती है।खुशबू देवी ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि परिवार नियोजन की प्रक्रिया ठीक से नहीं की गई। खुशबू के पहले से दो बेटियां और दो बेटे हैं, और वह अब और बच्चे नहीं चाहती थीं, इसलिए उन्होंने परिवार नियोजन अपनाया था। इस घटना ने परिवार नियोजन की नीतियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।इस मामले पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा के प्रभारी नलिन रजा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि कभी-कभी ऐसा हो जाता है कि परिवार नियोजन का चीरा लगाने के बावजूद भी महिलाएं गर्भवती हो जाती हैं। उन्होंने पीड़िता को सलाह दी है कि वह अपने सभी साक्ष्य लेकर कार्यालय में संपर्क करें। शासन-प्रशासन द्वारा जो भी मुआवजा राशि उपलब्ध होगी, वह उन्हें दिलाई जाएगी।

चार दिवसीय शॉर्ट बाउंड्री नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन, जरवल टीम बनी विजेता

अमन लेखनी समाचार/फैजान

कैसरगंज, बहराइच। क्षेत्र के रुकनापुर में आयोजित चार दिवसीय शॉर्ट बाउंड्री नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार रात भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबला ताबिश एंड कंपनी जरवल और डॉक्टर इलेवन रुकनापुर के बीच खेला गया, जिसमें रोमांचक मुकाबले में जरवल की टीम ने तीन विकेट से जीत दर्ज कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली।टूर्नामेंट में फखरपुर, कंदोसा, कुड़ौनी, नदीम इलेवन, जरवल सहित कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। सभी मैच आठ-आठ ओवर के प्रारूप में खेले गए। फाइनल में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः ताबिश एंड कंपनी जरवल ने जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।टूर्नामेंट का उद्घाटन कैसरगंज विधायक आनंद यादव ने फीता काटकर किया। आयोजन को सफल बनाने में हाफिज शहीदुद्दीन, डॉ. अब्दुल मलिक, डॉ. अब्दुल वहीद एवं शफीक अहमद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं सादिक अंसारी ने अपने शायराना अंदाज में कमेंट्री कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।समापन समारोह में विजेता टीम ताबिश एंड कंपनी जरवल को ?21,000 नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता डॉक्टर इलेवन रुकनापुर को ?11,000 नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं युवराज सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए ₹बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट₹ के खिताब से सम्मानित किया गया।बड़ी संख्या में मौजूद खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और देर रात तक रोमांचक मुकाबलों का आनंद लिया।

संक्षेप

विवाहिता को जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप

भाई ने बहनोई के खिलाफ बड़ौत कोतवाली में दी तहरीर

बागपत , फेजपुर निराना गांव निवासी गौतम ने अपनी बहन को जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाते हुए बड़ौत कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है।गौतम ने अपने बहनोई रोहित पर यह गंभीर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता गौतम के अनुसार, उसकी बहन की शादी करीब दो वर्ष पूर्व बड़ौत के बलजीत नगर निवासी रोहित पुत्र हरवीर के साथ हुई थी। गौतम का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसकी बहन को ससुराल पक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। उसने बताया कि पहले भी कई बार विवाद हुए थे, जिन्हें परिवार के सदस्यों ने समझौता कराकर सुलझाने का प्रयास किया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, 19 जून 2026 को उसकी बहन के साथ एक गंभीर घटना हुई। गौतम का आरोप है कि उसके बहनोई रोहित ने उसकी बहन को जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इस घटना की जानकारी मिलने पर परिवार के लोग चिंतित हो गए और उन्होंने पुलिस से हस्तक्षेप की मांग की। पीड़ित परिवार ने अब दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बड़ौत कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार त्यागी ने बताया कि शिकायत पत्र प्राप्त हो गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है।

पति ने पत्नी की हत्या कर पुलिस को फोन किया

बोरी में भरकर फेंकने वाला था, अवैध संबंध का शक करता था

बागपत के खैला गांव में एक व्यक्ति ने अपनी 28 वर्षीय पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। यह घटना शनिवार दोपहर की है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राहुल ने आठ साल पहले हरिद्वार में मनीषा से प्रेम विवाह किया था। राहुल हरिद्वार में एक निजी कंपनी में काम करता था, जहां उनकी मुलाकात हुई थी। शादी के बाद वे खैला गांव आ गए, फिर दिल्ली चले गए जहां राहुल ऑटो चलाता था और मनीषा एक कंपनी में नौकरी करती थी। उनके दो बच्चे हैं, एक छह साल की बेटी और एक चार साल का बेटा। करीब दो साल पहले पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। मनीषा बेंगलुरु में नौकरी करने चली गई और अपने बेटे कविश को अपने साथ ले गई। बेटी किट्टो गांव खैला में अपनी दादी शीला के साथ रहती थी। शुक्रवार को मनीषा अपने पति राहुल के साथ खैला गांव आई थी। दोपहर में उन्होंने साथ खाना भी खाया। जानकारी के अनुसार, मनीषा शनिवार को बेंगलुरु वापस जाने वाली थी और वह अपने बेटे को भी साथ ले जाना चाहती थी। राहुल ने बेटे को अपने साथ ले जाने से मना कर दिया, जिससे दोनों के बीच बहस हुई। गुस्से में राहुल ने घर में रखे धारदार हथियार से मनीषा पर हमला कर दिया। हमले में मनीषा का गला कट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई हत्या के बाद राहुल ने खुद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया फरसा बरामद हुआ है, जिससे उसने पत्नी की गर्दन पर दो बार और सिर पर एक बार वार किया था।

राजस्व विभाग में चलाया चाबुक अवैध कब्जे धारकों के लिए आई आफत

ब्लॉक तथा तालाब की भूमि का हुआ सीमांकन गाड़े गए पत्थर

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर ,जनपद के सभी विकास खंडों में चयनित किए गए तालाबों को स्वतंत्र कराने का आदेश जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने दिया जिसका अनुकरण करते हुए राजस्व विभाग ने टीम लेकर जगह-जगह अपनी प्रतिक्रिया प्रारंभ कर दिया जनपद के अमौली विकासखंड ब्लॉक मुख्यालय के सामने तथा मुख्य मार्ग पर काफी जमीन विकासखंड की रिक्त पड़ी थी जिस पर दर्जनों लोगों ने अवैध कब्जा करते हुए अपने-अपने मकान बना रखे हैं विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार पूर्व काल में अवैध कब्जा धारकों को इसकी नोटिस भी मिल चुकी है परंतु किसी ने भी कब्जा छोड़ना उचित नहीं समझा जिसे लेकर कल मंगलवार को राजस्व निरीक्षक शिवराम की अगुवाई में पूरी टीम ब्लॉक मुख्यालय के समीप पहुंची तथा निरीक्षण करते हुए पैमाइश की गई विभाग द्वारा सीमांकन हुआ तथा सीमांकन के पश्चात अधिकारी कर्मचारियों ने पत्थर गाड़ने का भी कार्य कराया इसी प्रकार ब्लॉक मुख्यालय के सामने स्थापित पुराना बड़ा तालाब भी अवैध कब्जा धारकों से गृसित था वहां पर भी पहुंची टीम ने पैमाइश करते हुए सीमांकन किया विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यह तालाब लगभग 84 बीघा का बताया जाता है जबकि वर्तमान में तालाब का क्षेत्रफल 50% भी नहीं है इस मौके पर राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ स्थानीय लेखपाल सतीश गौतम खण्ड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे ग्राम प्रधान पति प्रकाश चंद्र उर्फ बंटू सोनकर समेत अन्य कई अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे

आदमखोर बनी रिंद नदी फिर हुआ भीषण हादसा

टैंकर की टक्कर से नवयुवक की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना क्षेत्र के बॉर्डर से निकली रिंद नदी दिन प्रतिदिन एक नई घटना को अंजाम दे रही है नदी के किनारे होने वाली घटनाओं से क्षेत्र में सनसनी फैल गई विगत दिवस सोमवार देर शाम एक टैंकर ने बाइक सवार को भीषण टक्कर मारी जहां चालक की मौके पर ही मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार जहानाबाद कस्बे की के निवासी 25 वर्षीय अमरजीत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह अपनी जन्मभूमि जहानाबाद आया था युवक गुजरात के अहमदाबाद शहर में ठेकेदारी का काम करता था उसी दिन सुबह जहानाबाद पहुंचने के बाद अपने परिजनों से मिला तथा शाम समय अपने मित्र से मुलाकात करने बाइक लेकर चौडगरा कस्बे गया तथा मित्र से मुलाकात की रास्ते में मुलाकात करने के बाद लौटने पर रात्रि समय लगभग 9 बजे रिंद नदी के ठीक ऊपर पुल पर घाटमपुर की तरफ से आ रहे हैं टैंकर में भीषण टक्कर मार दी अनियंत्रित टैंकर टक्कर मार कर नदी के पुल की रेलिंग तोड़ते हुए किनारे फंसा वही युवक अमरजीत टैंकर के नीचे आ गया जिससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई जानकारी मिलने पर पहुंचे थाना प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन गृह फतेहपुर रवाना किया परिजनों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मृतक अपने पिता की चार संतानों में सबसे बड़ा बेटा था इस घटना के बाद पिता सुरजीत सिंह भाई वैभव अंकित अभय राज समेत मां सुमन गहरी सदमे में आ गए परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना जहानाबाद में चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए प्रशासन ने टैंकर को हिरासत में ले लिया वहीं थाना प्रभारी ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

जीएसटी कार्रवाई का विरोध

ट्रांसपोर्टरों ने गाड़ियां रोककर किया प्रदर्शन, टीम को घेरा; एसोसिएशन ने दी आंदोलन की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, ट्रांसपोर्ट नगर में जीएसटी विभाग की कार्रवाई के विरोध में ट्रांसपोर्टरों ने प्रदर्शन किया। आरोप है कि जीएसटी विभाग की टीम माधव ट्रांसपोर्ट की दो ट्रकों को अपने साथ ले जाने पहुंची थी। इसकी जानकारी मिलते ही ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और विभागीय वाहनों को रोककर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान ट्रांसपोर्टरों और जीएसटी अधिकारियों के बीच काफी देर तक नोकझोंक होती रही। बाद में ग्रेड-2 अधिकारी मनीषा शुक्ला मौके पर पहुंचीं और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। एसोसिएशन का कहना है कि अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में ट्रांसपोर्टरों से संबंधित किसी भी कार्रवाई से पहले ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को सूचना दी जाएगी। 'उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो होगा आंदोलन' संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष नवीन गुप्ता और उपाध्यक्ष तरुण गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट कारोबार पहले से ही मंदी की मार झेल रहा है, ऐसे में इस तरह की कार्रवाई से व्यापार और प्रभावित होगा।ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव शर्मा ने आरोप लगाया कि जीएसटी विभाग आए दिन ट्रांसपोर्टरों के वाहनों को रोककर उनका उत्पीड़न कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी कार्रवाई नहीं रुकी तो ट्रांसपोर्टर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन में महामंत्री दीपक गांधी, रोहित कपूर, अंकुर प्रजापति, सरदार खेता सिंह, सरदार सिंह, अतुल शर्मा, अशोक शर्मा, नीरज मुल्तानी सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर मौजूद रहे।

अब्दुल हत्याकांड में पुलिस की लापरवाही पर डीआईजी सख्त

दो दिन तक दर्ज नहीं हुआ मुकदमा, एसपी सिटी को सौंपी गई जांच

अमन लेखनी समाचार

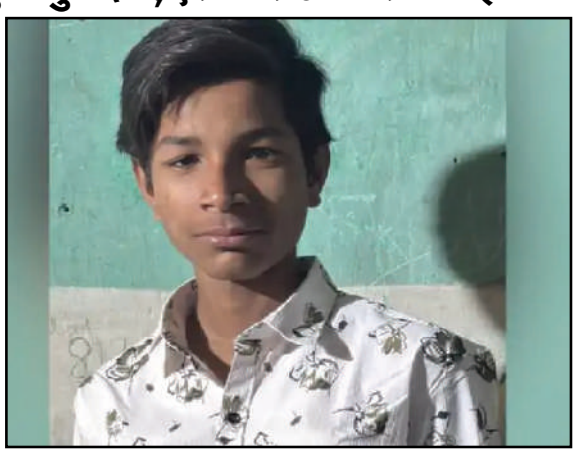

मेरठ , लोहियानगर थाना क्षेत्र में हुए अब्दुल समद पुत्र अबरार हत्याकांड में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद डीआईजी ने जांच बैठा दी है। डीआईजी ने मामले में थाना पुलिस की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए जांच की जिम्मेदारी एसपी सिटी मेरठ को सौंपी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि थाना पुलिस ने पूरे मामले को गंभीरता से नहीं लिया। न समय पर मुकदमा दर्ज किया गया और न ही अब्दुल समद की तलाश के लिए तत्काल कार्रवाई की गई। परिजनों का आरोप है कि यदि पुलिस समय रहते सक्रिय होती, तो उनके बेटे की जान बचाई जा सकती थी। इस मामले से पुलिस की छवि भी धूमिल हुई है। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने पूरे प्रकरण की जांच एसपी सिटी को सौंपने के साथ ही सीओ कोतवाली, लोहियानगर थाना प्रभारी और संबंधित हल्का प्रभारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। 15 जून को गायब हुआ था अब्दुल17 वर्षीय अब्दुल समद 15 जून को लापता हो गया था। 16 जून को उसके परिजन गुमशुदगी की तहरीर लेकर लोहियानगर थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं किया और न ही उसकी तलाश के लिए सक्रिय अभियान चलाया। दो दिन की देरी के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। 18 जून को अब्दुल का शव जाहिदपुर के नाले में मिला। प्रारंभिक जांच में उसकी हत्या की पुष्टि हुई। परिजनों का आरोप है कि यदि पुलिस समय रहते मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू करती, तो अब्दुल की जान बचाई जा सकती थी। पूरे मामले में पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठे हैं। डीआईजी ने माना कि घटना की संवेदनशीलता और तहरीर मिलने के बावजूद मुकदमा दर्ज करने में दो दिन की देरी हुई, जिससे पुलिस की छवि धूमिल हुई है। मामले की जांच एसपी सिटी को सौंपी गई है। साथ ही सीओ कोतवाली, लोहियानगर थाना प्रभारी और संबंधित हल्का प्रभारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए हैं।

दूसरे दिन भी बुलडोजर एक्शन जारी

मकान मालिक और दुकानदारों की अधिकारियों से बहस, 860 संपत्तियों पर होगी कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,शास्त्रीनगर में सेटबैक खाली कराने के लिए आवास विकास परिषद का बुलडोजर अभियान रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। सुबह से ही आवास विकास के अधिकारी पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पहुंचे और चिन्हित संपत्तियों पर कार्रवाई शुरू कर दी।कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों और मकान मालिकों ने विरोध जताया और अधिकारियों से बहस भी की। हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान बिना किसी बाधा के जारी रहा। अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई से पहले सभी संबंधित संपत्ति स्वामियों को नोटिस जारी किए गए थे। उन्हें स्वयं सेटबैक खाली करने का पर्याप्त समय भी दिया गया था। इससे पहले शनिवार को करीब 12 भूखंडों पर कार्रवाई की गई थी, जबकि दो संपत्ति स्वामियों को स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए तीन दिन का समय दिया गया था। 860 संपत्तियों पर होगी कार्रवाइ अधिशासी अभियंता अभिषेक राज ने बताया कि यह अभियान 860 संपत्तियों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी चिन्हित स्थानों पर सेटबैक खाली नहीं करा लिया जाता, तब तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा।14 जुलाई को सुनवाईइस पूरे प्रकरण में 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है जिसमें सेटबैक छोड़ने की रिपोर्ट आवास विकास की ओर से रिपोर्ट दाखिल की जानी है। इसलिए आवास विकास अब जिन्होंने खुद से सेटबैक नहीं छोड़ा है उनके खिलाफ यह बुलडोजर एक्शन कर रहा है। सेक्टर 2 में जारी धरना बुलडोजर कार्रवाई के दौरान भी सेक्टर दो और सेक्टर तीन चार में महिलाओं का धरना लगातार जारी है उनका कहना है कि हम सेटबैक नहीं छोड़ेंगे और जब तक हमें न्याय नहीं मिलता इसी प्रकार धरने पर बैठे रहेंगे वहीं आज से सेक्टर 2 की महिलाएं एक हफ्ते तक लगातार धरना स्थल पर सुंदरकांड भी करेंगी

नंदग्राम गोलीकांड: छात्र पर फायरिंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में मारी थी गोली, पिस्टल और बाइक बरामद

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,पुलिस ने नंदग्राम क्षेत्र में छात्र तरुण पर हुई फायरिंग की घटना का खुलासा कर दिया है। इस मामले में नंदग्राम थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक .32 बोर की पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है।एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि नंदग्राम निवासी तरुण ने शिकायत दर्ज कराई थी। तरुण के अनुसार, आकाश त्यागी और उसके साथियों ने उस पर गोली चलाई थी। इस घटना में तरुण के हाथ में गोली लगी थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।एसीपी जियाउद्दीन अहमद के मुताबिक, जांच के दौरान पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल से मोहन नगर रोड की ओर आ रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 19 वर्षीय आकाश त्यागी (निवासी भवानी एन्क्लेव अटौर), 20 वर्षीय सागर पंडित (निवासी न्यू आर्य नगर) और 26 वर्षीय राहुल शर्मा (निवासी सेवा नगर) के रूप में हुई है।तलाशी के दौरान राहुल शर्मा के पास से .32 बोर की पिस्टल और दो जिंदा कारतूस मिले। साथ ही, एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कुछ दिन पहले तरुण और सागर के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें सागर को चोट लगी थी। इसी पुरानी रंजिश के चलते तरुण को बातचीत के बहाने एक होटल पर बुलाया गया था। वहां विवाद बढ़ने पर राहुल शर्मा ने पिस्टल से गोली चला दी, जो तरुण के हाथ में लगी। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी सागर पंडित के खिलाफ पहले से हत्या, एससी-एसटी एक्ट और मारपीट सहित तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुटी हुई है।

लड़की उंगली दिखाकर पुलिसवाले से बोली- तेरी औकात क्या है

नशे में हंगामा किया; कहा- बॉयफ्रेंड से मिलने आई थी, क्या गलत है

अमन लेखनी समाचार

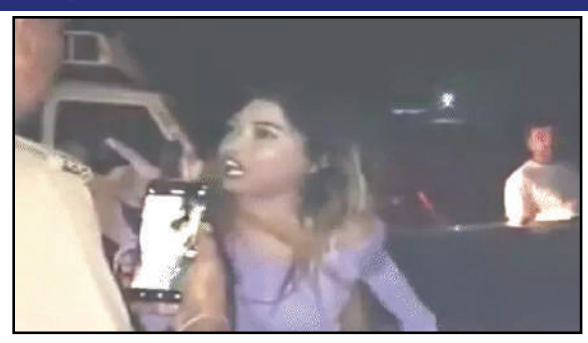

मेरठ ,नशे में धुत एक लड़की ने बीच सड़क पर जमकर हंगामा किया। लड़की दो लड़कों के साथ सड़क पर उत्पात मचा रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंच गई। इस पर लड़की ने पुलिसवालों से भी गाली-गलौज और हाथापाई की। पुलिस के समझाने के बाद भी लड़की शांत नहीं हुई। वह बार-बार पुलिसवालों से उलझती रही। उनको उंगली दिखाते हुए बोली- मैं अपने बॉयफ्रेंड से मिलने आई थी। कुछ गलत किया, तेरी औकात क्या है? एक पुलिसवाले का हाथ पकड़कर कहने लगी- चल थाने ले चल। इतना ही नहीं, लड़की ने मौके पर मौजूद लोगों के साथ भी बदसलूकी की। एक व्यक्ति को लड़की ने थप्पड़ भी जड़ दिया। हंगामे के चलते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी तरह पुलिस लड़की और दोनों लड़कों को थाने ले गई। रात हुई इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है पुलिस ने लड़कों की गाड़ियों को सीज कर तीनों का शांतिभंग में चालान कर दिया। पुलिस के मुताबिक, लड़की शराब के नशे में थी। मामला सरधना थाना क्षेत्र का है।

लड़की पुलिसवालों से बोली- तेरी औकात क्या है

सरधना थाना क्षेत्र में देर रात एक लड़की दो लड़कों के साथ सड़क पर हंगामा कर रही थी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिसवालों ने लड़की को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह लगातार उनसे ही उलझती रही। पुलिस के अनुसार, लड़की शराब के नशे में थी और गाली-गलौज कर रही थी। सामने आए वीडियो में पर्पल रंग का क्रॉप टॉप और सिल्वर पैंट पहने लड़की सड़क पर खड़ी दिखाई दे रही है। आसपास मौजूद युवक और पुलिसवाले उसे शांत कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह लगातार गुस्से में बहस कर रही है। लड़की पुलिसवालों के पास जाकर उंगली दिखाते हुए कहती है- मैं अपने बॉयफ्रेंड से मिलने आई हूं। बता इसमें क्या गलत है? तुम क्या कर लोगे, तुम्हारी औकात क्या है?

लड़की का साथी बार-बार उसे गाड़ी में बैठाने की कोशिश करता है

इस दौरान पुलिसवाला लड़की को शांत रहने के लिए कहता है। लड़की का एक साथी भी उसे बार-बार गाड़ी में बैठने के लिए समझाता है। काफी प्रयास के बाद वह लड़की को किसी तरह गाड़ी में बैठा देता है।

ममेरे भाइयों को ट्रैक्टर ने रौंदा

एक की मौत-दूसरा गंभीर घायल, रामनेर गांव के पास हादसा

अमन लेखनी समाचार

जेवर ,जेवर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो ममेरे भाई अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर का शिकार हो गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। किशोरपुर निवासी कृपाल सिंह के अनुसार, उनका ममेरा भाई गौरव (25) बुलंदशहर से उनके घर आया था। गौरव अपने ममेरे भाई करण (21) के साथ बाइक से जेवर बाजार सामान खरीदने जा रहा था। दोनों रामनेर गांव के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही बेहोश हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए।अस्पताल में तोड़ा दमदोनों घायलों को एंबुलेंस से जेवर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान गौरव की मौत हो गई। वहीं करण की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। एक सप्ताह पहले खरीदी थी नई बाइकपरिजनों ने बताया कि करण ने पिछले सप्ताह ही नई बाइक खरीदी थी। गौरव उससे मिलने बुलंदशहर से आया था। दोनों बाजार घूमने और घर का सामान खरीदने निकले थे।

इलेक्ट्रिकल्स कंपनी में भीषण आग

तीसरी मंजिल पर लगी आग, 5 दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , फेज-1 थाना क्षेत्र के सेक्टर-9 स्थित एक इलेक्ट्रिकल्स कंपनी में रविवार शाम भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग तीन मंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी, जहां बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामान रखा हुआ था। देखते ही देखते आग ने पूरे फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया और घना धुआं आसमान में फैल गया। धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। दमकल विभाग ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। शाम 5:15 बजे मिली आग लगने की सूचनाजानकारी के अनुसार, सेक्टर-9 के बी-29 स्थित शिवा इलेक्ट्रिकल्स में शाम करीब 5:15 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग की जानकारी मिलते ही कंपनी में मौजूद कर्मचारियों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना अग्निशमन विभाग और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। वहीं फेज-1 थाना पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और आसपास के क्षेत्र को खाली कराया।इलेक्ट्रॉनिक सामान के कारण तेजी से फैली आगप्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग इमारत की तीसरी मंजिल से उठती दिखाई दी। कुछ ही देर में लपटें और धुआं इतना बढ़ गया कि आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का ध्यान भी घटनास्थल की ओर चला गया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर राकेश टिकैत का विरोध

बोले- सरकार ने किसानों से राय नहीं ली, यह समझौता देश को गुलाम बनाने वाला

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) ने विरोध जताया है। बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि यह समझौता देशहित में नहीं, बल्कि देश को आर्थिक रूप से गुलाम बनाने वाला सौदा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि डील में किसानों के हितों की अनदेखी की गई तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। नोएडा में आयोजित प्रेस वार्ता में टिकैत ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल (यूएसटीआर) प्रमुख जैमीसन ग्रीयर की 23 और 24 जून को नई दिल्ली यात्रा के दौरान समझौते पर अंतिम चर्चा होनी है, लेकिन सरकार ने किसानों से इस मुद्दे पर कोई राय नहीं ली। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी 2021 के बाद सरकार से उनकी कोई बातचीत नहीं हुई। किसानों को यह तक नहीं बताया गया कि समझौते से उन्हें क्या लाभ होगा। अमेरिका से सस्ता माल आया तो बर्बाद हो जाएगा किसानराकेश टिकैत ने कहा कि यदि अमेरिका से अनाज, डेयरी उत्पाद और खाद्य तेल बड़े पैमाने पर भारत आए तो यहां के किसान तबाह हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और छोटे दुकानदार इस आंदोलन का हिस्सा बनेंगे। उनका आरोप था कि वर्तमान सरकार व्यापारियों की सरकार है और इसमें जवाबदेही नहीं है।

नाबालिग से कथित गैंगरेप का आरोप, पीड़िता ने थानाध्यक्ष पर भी लगाए गंभीर आरोप; न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिले के कासिमपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया है कि उसका अपहरण कर चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि घटना की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचने पर उसे न्याय मिलने के बजाय प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

पीड़िता ने कासिमपुर थाने के एसओ पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसे अवैध रूप से हिरासत में रखा गया, बयान बदलने का दबाव बनाया गया और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि दबाव बनाने के लिए उसके माता-पिता के साथ मारपीट की गई। रो-रोकर आपबीती सुनाते हुए पीड़िता ने कहा कि आरोपी पक्ष लगातार उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहा है, जिससे पूरा परिवार भय और दहशत के माहौल में जीने को मजबूर है। इस मामले ने एक बार फिर प्रदेश में महिला सुरक्षा और 'मिशन शक्ति' अभियान के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि पीड़िता के आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि कानून व्यवस्था और संवेदनशील मामलों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। फिलहाल, मामले में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। पीड़िता और उसके परिवार ने प्रदेश सरकार एवं उच्च पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है।

रुकमणि विवाह के प्रसंग पर भावविभोर हुए श्रद्धालु

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय (झांसी)। ग्राम नगरा में श्री श्री 1008 श्री हनुमान जी कृपा से चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के विशेष प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण और रुकमणी विवाह की पावन कथा का सजीव चित्रण और संगीतमय वर्णन किया गया।कथाव्यास धर्मेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा रुकमणी विवाह के प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और भव्य वर्णन सुनते ही श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।कथा के दौरान जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण और माता रुकमणी के विवाह का प्रसंग शुरू हुआ,पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मनमोहक झांकी भी प्रस्तुत की गई,जिसमें श्रीकृष्ण और रुकमणी के स्वरूपों पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की।मंगल गीतों और भजनों पर श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए।कथाव्यास ने बताया कि रुकमणी समर्पण और अनन्य भक्ति का प्रतीक हैं,जहां पूर्ण विश्वास होता है,वहां परमात्मा का आगमन अवश्य होता है।इस अलौकिक प्रसंग को सुनने और दर्शन करने के लिए आस-पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु पहुंचे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य यजमान द्वारा महाआरती की गई और उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पैड पर प्रभाकर नायक और ढोलक पर अभिषेक वर्मा और ऑर्गन पर मिलन वर्मा ने संगत दी।कथा की आरती परीक्षत प्रभुदयाल पाल ने की। इस अवसर पर पंडित शिवांश पांडेय,मनोज मुखिया,दीपू पाल,मोहित पाल,विकास पांडेय,अमन महाराज,अभिषेक नायक,छोटू लंबरदार सहित आदि भक्त मौजूद रहे।

बिहार में तस्करी हेतु ले जाई जा रही 539.5 लीटर अवैध बीयर बरामद

45 पेटी किंगफिशर बीयर के साथ 01 तस्कर गिरफ्तार।

तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा स्कार्पियो वाहन एवं मोबाइल फोन बरामद।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में थाना पिपरी पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध बीयर बरामद की गई है। घटना दिनांक 22.06.2026 को थाना पिपरी पुलिस टीम रनटोला क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मुर्धवा तिराहे से रनटोला मार्ग पर एक सफेद रंग की महिन्द्रा स्कार्पियो संदिग्ध अवस्था में खड़ी है, जिसमें अवैध सामग्री लदी हुई है तथा वाहन चालक कहीं जाने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ एवं वाहन की तलाशी के दौरान स्कार्पियो वाहन संख्या खल06क्ष3317 से 45 पेटी किंगफिशर बीयर बरामद हुई। जांच में कुल 1079 केन बीयर (500 एमएल प्रति केन) अर्थात कुल 539.5 लीटर अवैध बीयर बरामद की गई। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना पिपरी पर अभियुक्त के विरुद्ध धारा 60/63/72 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा स्कार्पियो वाहन को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त धर्मपाल कुमार ने पूछताछ में बताया कि वह मध्य प्रदेश के बैढ़न क्षेत्र से बीयर लेकर बिहार जा रहा था। बिहार राज्य में शराब बंदी लागू होने के कारण वह अवैध रूप से बीयर की बिक्री कर अधिक लाभ अर्जित करता था। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि बरामद बीयर के परिवहन एवं बिक्री से संबंधित कोई वैध प्रपत्र अथवा लाइसेंस उसके पास उपलब्ध नहीं था।

खास समाचार

गरौठा विद्युत उपकेंद्र पर संविदाकर्मियों की कमी, बिजली आपूर्ति हो रही प्रभावित

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। विद्युत उपखण्ड गुरसरांय के अंतर्गत आने वाले विद्युत उपकेंद्र गरौठा पर पिछले चार माह से दो संविदाकर्मियों के पद रिक्त पड़े हैं, जिससे बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उपकेंद्र पर निगम द्वारा 10 संविदाकर्मी स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 8 ही कार्यरत हैं। गरौठा विद्युत उपकेंद्र से सात विद्युत फीडरों का संचालन किया जाता है। कर्मचारियों की कमी के कारण मौजूदा संविदाकर्मियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ गया है। उनका कहना है कि लगातार अधिक कार्य करने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है और फाल्ट होने पर बिजली आपूर्ति बहाल करने में देरी होती है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बताया गया कि रिक्त पदों पर कर्मचारियों की तैनाती के लिए अवर अभियंता द्वारा कई बार उच्च अधिकारियों को सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो विभाग और न ही वर्तमान में कार्यरत कंपनी बॉबी इलेक्ट्रिकल्स की ओर से नए संविदाकर्मी उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि उपकेंद्र पर जल्द से जल्द रिक्त पदों पर संविदाकर्मियों की नियुक्ति की जाए, ताकि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके और कर्मचारियों पर बढ़ रहे अतिरिक्त कार्यभार को कम किया जा सके।

ससुराल पक्ष की पिटाई से युवक की मौत, दो आरोपी हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मंगलवार को बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के बदरुद्दीनपुर गांव निवासी 30 वर्षीय विवेक कन्नौजिया की ससुराल पक्ष द्वारा कथित मारपीट में घायल होने के बाद उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 22 जून को विवेक कन्नौजिया ने थाना बेहटा गोकुल में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके ससुरालीजनों ने उसके साथ मारपीट की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। गंभीर रूप से घायल विवेक का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा था, जहां मंगलवार को उसकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज है, दो लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूरे प्रकरण की गहन जांच की जा रही है।

गरौठा: पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर हुआ वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को बामौर रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी जगदम्बा पाठक के नेतृत्व में कस्बा गरौठा स्थित अगड़धत्ता रामराजा सरकार मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मिश्रा रहे। इस दौरान मंदिर परिसर में हरी शंकरी के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रवेंद्र सिंह चौहान, सुरेंद्र शर्मा, डिप्टी रेंजर हेमंत कुमार, वन दरोगा गजेंद्र सिंह, दीपराज सिंह, सुखनंदन सिंह, वन रक्षक तेजप्रताप एवं रोहित कुमार सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मंडी गेट कांड: पुलिस के साथ मौजूद थे आरोपी, फिर भी न तब और न अब तक हुई गिरफ्तारी? आखिर क्यों?

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। नवीन मंडी गेट के पास 5 अप्रैल को दिनदहाड़े हुए बहुचर्चित बवाल और व्यापारियों की दुकानों पर हमले के मामले में मौके पर पुलिस के साथ मौजूद रहे प्रमुख आरोपियों की गिरफ्तारी घटना के ढाई महीने बाद भी न होने से पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के समय और उसके बाद के वायरल वीडियो अब फिर चर्चा में हैं, जिनमें मुख्य आरोपी काफी देर तक घटना स्थल पर ही घटना बाले दिन ही देर शाम को प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय समेत पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में बातचीत करते और दहशत फैलाते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रीय लोगों का सवाल है कि यदि घटना के बाद शाम तक पुलिस मौके पर मौजूद थी और आरोपी भी उसके साथ मौजूद थे, तो उन्हें तत्काल हिरासत में क्यों नहीं लिया गया? आखिर ऐसा कौन सा कारण था कि दिनदहाड़े हुए इस हाई-प्रोफाइल प्रकरण में मौके पर मौजूद रहे मुख्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी नहीं हुई?

पीड़ित पक्ष और व्यापारिक वर्ग में यह चर्चा भी तेज है कि क्या आरोपियों को किसी प्रभावशाली राजनीतिक संरक्षण का लाभ मिला? क्योंकि घटना के बाद मुकदमा दर्ज होने, पुलिस के बड़े-बड़े दावों और लगातार दबिश की बात कहे जाने के बावजूद कई आरोपी अब तक कानून की पकड़ से बाहर बताए जा रहे हैं। जिसमें प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय की भूमिका सीधे तौर पर काफी संदिग्ध है। व्यापारियों का कहना है कि जिस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी थी, उसके मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी पुलिस की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। लोगों का यह भी कहना है कि यदि सामान्य व्यक्ति के विरुद्ध ऐसा मुकदमा दर्ज होता तो अब तक गिरफ्तारी हो चुकी होती। हालांकि लोगों की दिलचस्पी अब गिरफ्तारी में कम लेकिन आरोपियों के साथ मिले हुए कोतवाल के विरुद्ध कार्यवाही की फिक्र ज्यादा मालुम हो रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या घटना के समय वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले व्यक्तियों की पहचान पुलिस ने कर ली है? यदि हां, तो उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि नहीं, तो फिर अब तक की जांच की प्रगति क्या है?

क्षेत्र में यह धारणा लगातार मजबूत हो रही है कि आरोपियों को किसी न किसी स्तर पर न केवल राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है बल्कि प्रभारी निरीक्षक का भी सीधा संरक्षण है जो कि वायरल वीडियो में साफ तौर पर जाहिर है। यही कारण है कि ढाई महीने बाद भी पीड़ित व्यापारी जहाँ न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं वहीं जनता उच्च शिक्षा राज्य मन्त्री और उनके बहुचर्चित व्यक्तियों के प्रति तीखी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त कर रही है। जबकि आरोपी फरार हैं। अब निगाहें पुलिस प्रशासन, रेंज स्तर के अधिकारियों और शासन पर हैं कि वे वायरल वीडियो, घटनास्थल पर पुलिस की भूमिका तथा गिरफ्तारी में हुई देरी की निष्पक्ष जांच कराकर जनता के मन में उठ रहे सवालों का जवाब देंगे या नहीं।

कैंपियरगंज हत्याकांड का खुलासा: मामी की हत्या कर जेवरात लूटने वाली भांजी गिरफ्तार

तानों से नाराज होकर रची साजिश, जंगल में ले जाकर चाकू से गला काटा; एसपी नॉर्थ ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। कैंपियरगंज थाना क्षेत्र में जंगल बब्बन में मिली वृद्ध महिला की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मृतका की ही भांजी को गिरफ्तार किया है, जिसने तानों से परेशान होकर अपनी मामी की हत्या कर दी और उसके जेवरात लेकर फरार हो गई थी। इस पूरे मामले का खुलासा एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र ने पुलिस लाइन स्थित व्हाइट हाउस सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया। एसपी नॉर्थ ने बताया कि 21 जून 2026 को जंगल बब्बन के पास सड़क से करीब 150-200 मीटर अंदर एक लगभग 60 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जांच के दौरान महिला की पहचान कर परिजनों की तहरीर पर थाना कैंपियरगंज में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्विलांस और एसओजी की मदद से जांच तेज की। जांच के दौरान संदेह के आधार पर राधिका पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में अभियुक्ता ने बताया कि मृतका उसकी मामी थी, जो उसे अक्सर ताने मारती थी। इसी बात से नाराज होकर उसने हत्या की साजिश रची। 20 जून को उसने अपनी मामी को फोन कर अपनी बेटी की शादी की बात करने के बहाने रामपुर बुलाया और वहां से कैंपियरगंज ले जाने लगी। रास्ते में जंगल के पास शौच का बहाना बनाकर दोनों नीचे उतर गईं। जंगल के अंदर पहुंचने पर अभियुक्ता ने पहले हमला करने की कोशिश की, जिससे दोनों के बीच संघर्ष हुआ। इसके बाद उसने चाकू से मामी के गले पर वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने मृतका के शरीर से जेवरात उतार लिए और मौके से फरार हो गई। पुलिस ने अभियुक्ता के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, चांदी की पायल, अंगूठियां, सोने के टप्स, किल, ओम लॉकेट, टूटी हुई सोने की चेन और एक मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अन्य धाराओं की बढ़ोतरी भी की गई है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह, एसओजी/स्वाट टीम, सर्विलांस सेल और थाना कैंपियरगंज की पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने अभियुक्ता के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र ने बताया कि हत्या के इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

लूटकांड का खुलासा: पांच शातिर बदमाश गिरफ्तार, अधजले सोने-चांदी के आभूषण व हथियार बरामद

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मंगलवार को हरदोई पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। स्वाट, सर्विलांस, एसओजी और कासिमपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने लूट की घटना का खुलासा करते हुए पांच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट से संबंधित सोने-चांदी के अधजले आभूषण, घटना में प्रयुक्त एक कार, एक मोटरसाइकिल, नगदी और अवैध शस्त्र बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्री सुबोध गौतम ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है और उनके अन्य आपराधिक कृत्यों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक गिरोह के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। साथ ही अन्य घटनाओं में भी इनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्रवासियों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

नवनिर्मित 'अटल भवन' का हुआ भव्य उद्घाटन, विकास और जनसेवा को मिलेगी नई दिशा

अमन लेखनी समाचार

बस्ती/ नगर पंचायत नगर कार्यालय परिसर में नवनिर्मित 'अटल भवन' का उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं असम प्रभारी हरीश द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि अटल भवन केवल एक भवन नहीं, बल्कि जनता को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को गति देने का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। अटल भवन का निर्माण नगर पंचायत क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। यह भवन जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ-साथ गांव और कस्बों का भी तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों को सशक्त बनाकर सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अटल भवन के निर्माण से नगर पंचायत की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी तथा जनहितकारी बनेगी। इस क्रम में वरिष्ठ नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं और अटल भवन का निर्माण उसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह भवन क्षेत्र की जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा तथा विकास की नई संभावनाओं को भी बल देगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नगर पंचायत नगर के अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पंचायत नगर कार्यालय के नवनिर्मित 'अटल भवन' के उद्घाटन अवसर पर मैं सभी सम्मानित अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। यह भवन नगर पंचायत के विकास और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था का प्रतीक है। इसके माध्यम से आम नागरिकों को सुविधाजनक एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। हमारी प्राथमिकता नगर के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता, पेयजल, सड़क एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना है। मैं विश्वास दिलाती हूं कि नगर पंचायत

लखनऊ अग्निकांड से भी नहीं जागा हरदोई प्रशासन,

सैकड़ों अवैध कोचिंग सेंटरों में छात्रों की जान से खिलवाड़

एक गेट के सहारे चल रही कोचिंग, बेसमेंट में पढ़ाई, फायर सुरक्षा नदारद

कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूरी और फोटो सेशन

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। राजधानी लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद भी हरदोई प्रशासन सबक लेता नहीं दिख रहा है। जिले में सैकड़ों कोचिंग सेंटर बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के संचालित हो रहे हैं। कई कोचिंग संस्थान बेसमेंट में चल रहे हैं, तो अधिकांश कोचिंग सेंटरों में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही गेट है। आग या अन्य आपदा की स्थिति में छात्रों के बाहर निकलने का कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है। सबसे गंभीर बात यह है कि अधिकांश कोचिंग सेंटरों में अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर), इमरजेंसी एग्जिट, अलार्म सिस्टम और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह अभाव है। इसके बावजूद वर्षों से यह गोरखधंधा फल-फूल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन कोचिंग सेंटरों के संचालन की जानकारी संबंधित विभागों और बड़े अधिकारियों को भी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

लखनऊ की घटना के बाद जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने कुछ कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण जरूर किया, लेकिन यह कार्रवाई भी केवल खानापूरी तक सीमित नजर आई। अधिकारी एक-दो संस्थानों में पहुंचकर फोटो खिंचवाते दिखाई दिए, जबकि जिले के अधिकांश कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था की जमीनी जांच नहीं की गई। अभिभावकों का कहना है कि हजारों छात्र प्रतिदिन इन कोचिंग सेंटरों में पढ़ने पहुंचते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा भगवान भरोसे है। यदि किसी कोचिंग सेंटर में आग या कोई बड़ा हादसा हो जाए तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह सबसे बड़ा सवाल है।

लखनऊ हादसे के बाद भी यदि हरदोई प्रशासन नहीं चेता, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। जरूरत इस बात की है कि जिले के सभी कोचिंग सेंटरों का व्यापक सर्वे कराया जाए, अवैध रूप से संचालित संस्थानों को तत्काल बंद किया जाए और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि छात्रों की जिंदगी को खतरे में डालने वाले इस खेल पर रोक लग सके।

कच्चे मकान में अचानक लगी आग, भारी नुक्सान

अमन लेखनी समाचार

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के बाड़ी वैष्णो मंदिर के पीछे सोमवार दोपहर लगभग 11 बजे पीड़ित लाल बहादुर गोंड के कच्चे के खाना बनाते हुए एक कच्चे मकान में अचानक आग लग गई। और धिरे धिरे आग विकराल रूप धारण कर लिया, जहां घर का सारा गृहस्थी का सामान जल गया वहीं इसकी सूचना डाला पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई जहां सूचना पाकर अल्ट्राटेक फायर ब्रिगेड की टीम एवं डाला पुलिस मौके पर पहुंच गए काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बिल्ली-मारकुंडी क्षेत्रिय लेखपाल को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे लेखपाल ने घटनास्थल का मौका-मुआयना कर नुकसान का जायजा लिया। आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सका।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

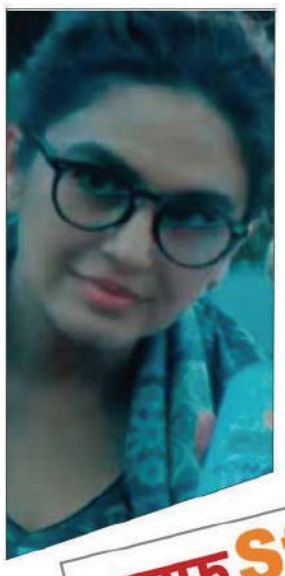

डू डाई डू का ट्रेलर रिलीज, बिना शोर हुमा ने मचाया कोहराम...

मुंबई। हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म 'डू डाई डू'का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में उनका खतरनाक अंदाज देखकर फैंस चौंक जाएंगे। इस ट्रेलर में फिल्म की कहानी भी काफी हद तक अंदाजा हो जाता है। यह फिल्म 3 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म 'डू डाई डू' का ट्रेलर में हुमा कुरैशी का लुक और किरदार दर्शकों को हैरान करने वाला है। इस थ्रिलर एक्शन ड्रामा फिल्म का ट्रेलर देखकर फैंस के बीच फैंस के बीच उत्सुकता पैदा हो सकती है। इस ट्रेलर में चंकी पांडे भी कॉमिक रोल से हटकर बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आते हैं। साथ ही हुमा कुरैशी के कथित बॉयफ्रेंड रचित सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

लाइफ Style

रश्मिका

सच्चे प्यार पर करते आए हैं भरोसा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'कॉकटेल 2' में दीया रेड्डी का किरदार निभाने वाली रश्मिका मंदाना ने सोमवार को अपनी फिल्म 'कॉकटेल 2' का एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। इसके साथ में रश्मिका ने एक प्यारा संदेश भी लिखा है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल 2' में रश्मिका, शाहिद कपूर और कृति सेनन की रोमांटिक केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिल रही है।

सोमवार को रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इसमें रश्मिका के साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन भी मुख्य भूमिका में हैं। रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'कॉकटेल 2' का एक खास बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में रश्मिका अपने किरदार दीया की तैयारी करती नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने एक बेहद भावुक मैसेज भी लिखा। रश्मिका ने लिखा, 'हम हमेशा से सच्चे प्यार पर भरोसा करते आए हैं और हमने इसे जीकर भी दिखाया है। ढेर सारे प्यार के साथ विदा। आपकी, दीया रेड्डी और रश्मिका। रश्मिका की इस पोस्ट पर फिल्म की स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अडाजानिया ने कमेंट किया, 'दीया रेड्डी का लुक शानदार था और रश्मिका ने मेरा दिल जीत लिया।' वहीं रश्मिका के फैंस भी उनके इस किरदार पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। फिल्म 'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई कॉकटेल'का सीक्वल है। 'कॉकटेल' में दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं 'कॉकटेल 2' का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।

हॉलीवुड मसाला

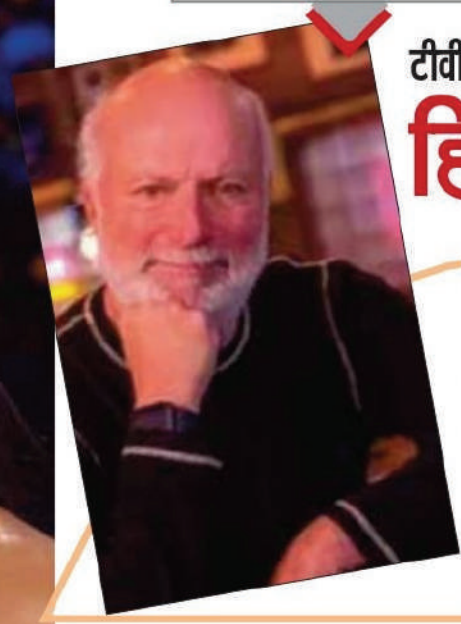

टीवी को दिए 50 से ज्यादा हिट शोज

नई दिल्ली। दर्शकों को फ्रेंड्स और फिश एंड चिप्स जैसे तमाम हिट शोज देने वाले दिग्गज टेलीविजन डायरेक्टर जेम्स बरोज अब इस दुनिया में नहीं रहे। 1940 में लॉस एंजेलिस में जन्मे जेम्स ने अपना करियर थिएटर से स्टार्ट किया। और फिर 1967 के नाटक 'हॉली गोलाइटली' में असिस्टेंट स्टेज मैनेजर के तौर पर काम किया। यहीं से उनका करियर शुरू हुआ। उन्होंने 50 से ज्यादा टीवी शोज में 1000 से ज्यादा एपिसोड्स को डायरेक्ट किया है। उन्हें फ्रेंड्स के अलावा द मैरी टायलर मूर शो, टैक्सी, चीयर्स, फ्रेजियर, फ्रेंड्स के लिए जाना जाता है।

प्रियंका ने निक को कहा बेस्ट डैड, शेयर की तस्वीर

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा ने फादर्स डे पर सोशल मीडिया पर बेटी मालती मैरी के साथ निक जोनस की एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। इसकी के साथ प्रियंका ने निक को 'बेस्ट डैड' का खिताब भी दिया है। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने फादर्स डे के मौके पर अपने पति निक जोनस के लिए सोशल मीडिया पर एक बहुत ही प्यारा मैसेज शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने निक और अपनी बेटी की एक खूबसूरत तस्वीर भी पोस्ट की है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हैं। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है, जिसमें निक और उनकी बेटी मालती मैरी एक गोल्फ कोर्स में टहलते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में मालती ने गुलाबी रंग की हुडी और लाल शॉर्ट्स पहने हुए हैं। यह फोटो दिखाती है कि दोनों साथ में कितना अच्छा समय बिता रहे हैं।

हार्टब्रेक गाने सिर्फ पुरुषों के लिए...

नई दिल्ली। सिंगर सोना मोहापात्रा अक्सर इंडस्ट्री से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। चाहे बात सेक्सिज्म की हो या महिलाओं की कम हिस्सेदारी की, सोना हमेशा बेबाक नजर आती हैं। अब उन्होंने बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर एक और बड़ा बयान दिया है। अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए सोना ने कहा, 'बॉलीवुड के सारे हार्टब्रेक गाने पुरुषों के लिए रिजर्व हैं। प्यार भी वही महसूस करते हैं, दर्द भी वही दिखाया जाता है। मुझे जब भी किसी डुएट गाने के लिए बुलाया गया, तो अक्सर मुझे सिर्फ आखिर में गाने का मौका मिला।' सोना ने आगे कहा, 'इस गाने में मुखड़ा, अंतरा- सब कुछ पुरुष सिंगर ने गाया। मैं बस आखिर में आती हूं। मैंने म्यूजिक डायरेक्टर से पूछा- क्या आदमी खुद से ही प्यार कर रहा है? ये कैसा डुएट है, जिसमें लड़की आखिर में आती है?'

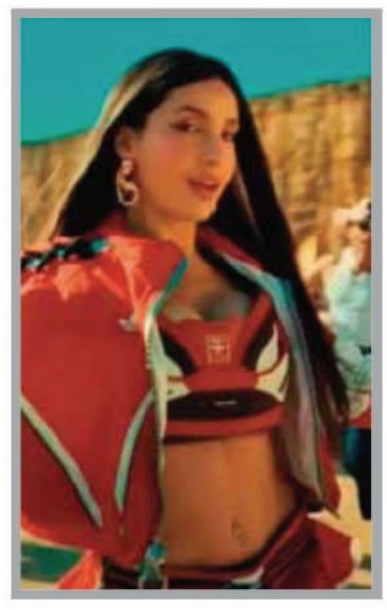

या बाबा गाने में नोरा के साथ राकेश...

नई दिल्ली। नोरा फतेही और शिल्पा राव 'या बाबा' के लिए साथ आई हैं, जो 'वर्ल्ड म्यूजिक डे' पर रिलीज हुआ एक शानदार नया गाना है। टी-सीरीज और भूषण कुमार द्वारा पेश किया गया यह गाना म्यूजिक, डांस, कल्चर और जश्न का एक बड़ा उत्सव है, जिसमें अनुभवी एक्टर राकेश बेदी ने जान डाल दी है। गाने में अरबी प्रभाव न सिर्फ म्यूजिक में, बल्कि वीडियो के विजुअल मूड में भी साफ झलकता है। नतीजा एक ऐसा क्रॉस-कल्चरल ऑडियो-विजुअल पैकेज है जो भारतीय त्योहारों की भव्यता और ग्लोबल म्यूजिक स्टाइल को एक साथ लाता है। मशहूर एक्टर राकेश भी इस म्यूजिक वीडियो में नजर आ रहे हैं और गाने की खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं। अपनी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और कॉमिक टाइमिंग के लिए पहचाने जाने वाले राकेश, 'या बाबा' के फेस्टिव जोश में रमे हुए दिख रहे हैं।

टीवी मसाला

जाकिर के आखिरी शो 'पापा यार' में अब्बा ने बजाया सितार

नई दिल्ली। देश के पॉपुलर स्टैंडअप कॉमेडियंस में शुमार जाकिर खान हाल ही मुंबई में अपना आखिरी शो किया, जिसने सभी को भावुक कर दिया। न सिर्फ जाकिर खान, बल्कि उनके फैंस के लिए भी कॉमेडियन के आखिरी शो की शाम बहुत ही इमोशनल रही। जाकिर खान ने अपने सुपरहिट टूर 'पापा यार' का आखिरी शो मुंबई में किया, पर इस दौरान उन्हें एक ऐसा सरप्राइज मिला, जिसे देख हर किसी की आंखें छलक उठीं। दरअसल, जाकिर के आखिरी शो में पिता ने सरप्राइज एंट्री मारी और बेटे के शो का अंत किया। जाकिर खान का शो एसवीपी डोम स्टेडियम में हुआ था, जिसके वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि शो खत्म होने से कुछ ही पल पहले जाकिर खान के पिता अचानक स्टेज पर आते हैं। पिता को देख जाकिर भावुक हो गए और उन्हें गर्मजोशी से गले लगा लिया। दोनों के इस दिल को छू लेने वाले पल को देख दर्शकों से खचाखच भरा स्टेडियम जोरदार तालियों और चियर्स से गूंज उठा। जाकिर खान के पिता मशहूर सितारवादक उस्ताद इस्माइल खान हैं। उन्होंने बेटे के आखिरी शो को एक शानदार और भावुक अंत दिया, जिसे देख हर किसी का दिल पिघल गया। जाकिर खान के भी आंसू छलक पड़े। यह सरप्राइज और भी खास इसलिए बन गया क्योंकि यह फादर्स डे के मौके पर था। फैंस जाकिर के पिता की परफॉर्मेंस का क्लिप सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं और उनका कहना है कि फादर्स डे पर जाकिर के पिता का उनके आखिरी शो में सितार बजाने से ज्यादा इमोशनल कुछ था।

सुनील का समय पर चढ़ा पारा

नई दिल्ली। स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना इन दिनों 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' को लेकर चर्चा में हैं। सुनील पाल ने समय रैना के उस भद्दे मजाक का करारा जवाब दिया है, जब उन्होंने कपिल शर्मा के शो पर सवाल किया था- आप ब्रश क्यों नहीं करते? अब सुनील पाल ने उसी अंदाज में उन्हें तगड़ा जवाब दिया है। दरअसल हाल ही में नेटफ्लिक्स इंडिया पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में सुनील और समय का आमना-सामना हुआ था, जब सुनील ने समय की कॉमेडी शैली पर अपनी आपत्ति जताई थी। इसी शो का वो क्लिप दिखाया गया है जिसमें समय सुनील पाल से समय कहते दिख रहे हैं- मुझे आपसे कोई दिक्कत नहीं सर, बस एक ही है, आप ब्रश क्यों नहीं करते हैं?' उन्होंने समय रैना पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए अपने पुराने अंदाज में कहा, 'मैं तुम्हें समय रैना सिर्फ इसलिए माफ करता हूं क्योंकि तुम्हारा शो रात में आता है और तुम्हारे नाम का मतलब ही रात है।

अमिताभ ने रात 2:40 बजे हनुमान सहस्त्र पूजन की दिखाई झलक...

मुंबई। अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में 'एक्स (पहले ट्विटर) पर सबसे अधिक एक्टिव रहने वाले बॉलीवुड सितारे हैं। करीब हर दिन ही बिग बी सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं। हालांकि, अधिकतर ऐसा होता है कि उनकी बात लोगों के पल्ले नहीं पड़ती। पहली बार उन्होंने जो पोस्ट किया है, उसे पढ़कर लोगों ने कहा है- पहली बार आपका पोस्ट समझ के लायक मिला है। अमिताभ बच्चन ने आधी रात 2:40 मिनट पर हनुमान सहस्त्र पूजन की झलक दिखाई है। उन्होंने दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें फूलों की ढेर के बीच गणपति बप्पा और हनुमान जी की मूर्ति दिख रही है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है- टी 5779, हनुमान सहस्त्र पूजन। बता दें कि हनुमान सहस्त्र पूजन (या हनुमान सहस्त्रनाम) भगवान बजरंगबली के एक हजार पावन नामों का जाप है। कहते हैं कि ये उनकी पूजा करने की एक अत्यंत शक्तिशाली और विस्तृत विधि है। मान्यता यही है कि ये पूजन हनुमान जी की कृपा, साहस,

मानसिक शांति और नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति पाने के लिए किया जाता है। धर्म पर आस्था रखने वालों का कहना है कि इसके पाठ से मानसिक तनाव दूर होता है और साधक को शारीरिक व मानसिक शक्ति प्राप्त होती है। इन सबके अलावा भूत-प्रेत, ऊपरी बाधाओं और नकारात्मक ऊर्जाओं का भी नाश होता है। इतना ही नहीं, ज्योतिषियों के मुताबिक, यह कुंडली में शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और मंगल दोष के प्रभावों को कम करने में बहुत कारगर माना जाता है। अब आधी रात को किए गए अमिताभ बच्चन के इस पोस्ट पर लोगों ने भी अपने मन की बात कही है और हाथ जोड़ लिए हैं।

27 साल पुराने सॉन्ग को सुन आ जाता है 'प्यार का मौसम' अलका ने मनहार संग मिलकर गाया था कल्ट गाना

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कई सितारे ऐसे रहे हैं, जिन्हें नाम और पहचान तो खूब मिली लेकिन वक्त के साथ उन्हें भुला दिया गया। किसी स्टार ने पर्दे पर हीरो बनकर दिल जीता तो किसी ने अपनी गायिकी से लोगों को अपना दीवाना बनाया। एक ऐसे ही सिंगर सिनेमा में आए जिनके भाई की आवाज ने लोगों को खूब इमोशनल किया तो वहीं इनकी आवाज भी दशकों तक सुनी जाती रही और इन्हीं का एक गाना इतना कल्ट हुआ कि जिसे आज भी लोग खूब सुनते हैं।

कौन सा है वो गाना? : अब यूं तो इस दिग्गज सिंगर के कई गाने हिट रहे, लेकिन एक ऐसा गाना भी आया, जिसने आशिकों के दिलों पर खूब राज किया और इस गाने का नाम है मौसम। जी हां, साल 1999 में आई फिल्म 'जानवर' का गाना 'मौसम की तरह तुम भी बदल तो ना जाओगे' वही गाना था, जिसने लोगों के दिलों में प्यार की एक नई बहार पैदा की थी। इस गाने को आज भी सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होते हुए देखा जाता है। गाने में अक्षय कुमार और करिश्मा कपूर नजर आए थे। अक्षय और करिश्मा की केमिस्ट्री इस गाने में काफी पसंद की गई थी और यह गाना उन कल्ट गानों में से है, जो अक्सर ट्रकों में सुनाई दे जाता है।

पंकज उदास के बड़े भाई ने दी आवाज

इस गाने को अलका याज्ञनिक और मनहार उदास ने साथ में मिलकर गाया था। गाने की शुरुआत अलका की आवाज से होती है। उस दौर में अलका लगभग हर दूसरे गाने की आवाज बना करती थीं। वहीं, अक्सर लोगों को लगता है कि इस गाने को कुमार सानू या उदित नारायण ने आवाज दी थी, लेकिन असल में गाना पंकज उदास के बड़े भाई मनहार उदास ने गाया था।

आनंद-मिलिंद ने दिया था संगीत

उनकी आवाज में यह गाना खूब पसंद किया गया। हालांकि, उस दौर में मनहार उदास के कई गाने ऐसे थे, जो खूब पसंद किए गए थे और यह गाना उन्हीं में से एक था। इस गाने का संगीत आनंद-मिलिंद ने दिया था तो वहीं इसे समीर ने लिखा था। आपको बता दें कि फिल्म 'जानवर' को सुनील दर्शन ने बनाया था और फिल्म में करिश्मा-अक्षय के साथ कादर खान, शिल्पा शेट्टी और कई सितारे नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी।

दमदार किरदार से यादगार डॉयलाग्स तक...

बुलंद आवाज के बल पर अमरीश बने भारतीय सिनेमा के सबसे पॉपुलर विलेन

नई दिल्ली। अमरीश पुरी ने अपने कॅरियर की शुरुआत थिएटर से की थी। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने कई साल तक नौकरी की। 80 के दशक में फिल्मों में आने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने बेहतरीन अभिनय और बुलंद आवाज से उन्होंने खलनायकों को हिंदी सिनेमा में एक खास पहचान दिलवाई।

किरदारों से बनाई अलग पहचान

कभी किसी गुफा जैसे अड्डे में बैठकर दुनिया जीतने का सपना देखने वाला मोगैंबो, कभी रेगिस्तान की हवेली में आतंक का दूसरा नाम बना ठाकुर दुर्जन सिंह, तो कभी 'जा सिमरन जा, जी ले अपनी जिंदगी' कहकर करोड़ों दिलों को भावुक कर देने वाला एक पिता। अमरीश पुरी सिर्फ एक अभिनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय सिनेमा के उन चुनिंदे कलाकारों में से थे, जिन्होंने हर किरदार को अपनी मौजूदगी से यादगार बना दिया। उनकी गूंजती हुई आवाज, आंखों में उतरता खौफ और स्क्रीन पर छा जाने वाला व्यक्तित्व ऐसा था कि कई बार दर्शक फिल्म के हीरो से ज्यादा उनके किरदार को याद रखते थे। आइए उनके जन्मदिन पर नजर डालते हैं अमरीश पुरी के कुछ ऐतिहासिक किरदार और डॉयलाग्स पर।

मोगैंबो- मिस्टर इंडिया

गोल्डन मिलिटरी यूनिफॉर्म, रहस्यमयी अड्डा और दुनिया पर राज करने का सपना। मोगैंबो भारतीय सिनेमा का शायद सबसे पॉपुलर विलेन है। अमरीश पुरी ने इस किरदार को जिस अंदाज में जिया, उसने उसे फिल्मी इतिहास का हिस्सा बना दिया। आज भी 'मोगैंबो खुश हुआ' सुनते ही सबसे पहले उनका चेहरा सामने आ जाता है।

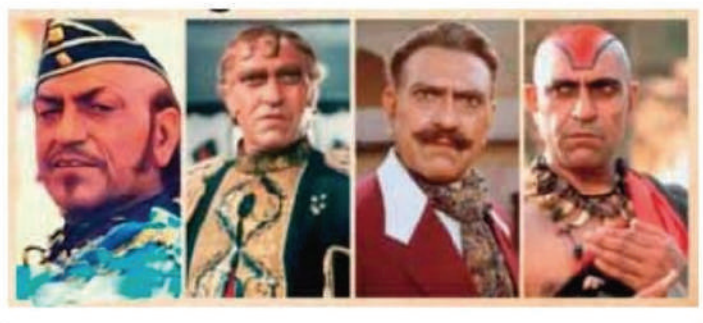

बलवंत राय- घायल

पैसे और सत्ता के नशे में चूर बलवंत राय उस दौर के सबसे ताकतवर खलनायकों में से एक था। यह किरदार सिर्फ हिंसक नहीं था, बल्कि व्यवस्था की उस सच्चाई को भी दिखाता था, जहां दौलत और ताकत कानून से ऊपर नजर आते हैं। अमरीश पुरी की दमदार एक्टिंग ने इस किरदार को यादगार बना दिया।

मोला राम- इंडियाना जोन्स एंड दी टेंपल ऑफ डूम

हॉलीवुड की दुनिया में अमरीश पुरी की पहचान मोला राम से बनी। रहस्यमयी धार्मिक रिवाज, डरावनी पर्सनालिटी और खौफनाक आंखें। यह किरदार आज भी वर्ल्ड सिनेमा के सबसे चर्चित खलनायकों में गिना जाता है। इस भूमिका ने अमरीश पुरी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग पहचान दिलाई।

अशरफ अली- गदर एक प्रेम कथा

गदर में अमरीश पुरी ने एक ऐसे पिता का किरदार निभाया जो अपनी बेटी और अपने देश के बीच उलझा हुआ था। अशरफ अली पूरी तरह से खलनायक नहीं था, लेकिन कहानी में उसका विरोधी पक्ष इतना मजबूत था कि वह फिल्म के सबसे यादगार पात्रों में शामिल हो गया।

ठाकुर दुर्जन सिंह- करण अर्जुन

रेगिस्तान की धूल, हवेली की ऊंची दीवारें और बदले की आग। करण अर्जुन का ठाकुर दुर्जन सिंह बेरहमी का दूसरा नाम था। अमरीश पुरी ने इस किरदार में ऐसा आतंक पैदा किया कि दर्शक उसकी मौत का इंतजार करते रहे। फिल्म की पूरी कहानी उसी के अत्याचारों के इर्द-गिर्द घूमती है।

जनरल डोंग- तहलका

डोंग इज नेवर रॉन्ग कहने वाला जनरल डोंग 90 के दशक के सबसे मनोरंजक और पॉपुलर खलनायकों में से एक था। उसकी अजीबोगरीब हंसी, अतरंगी अंदाज और तानाशाह पर्सनालिटी ने उसे दर्शकों के बीच कल्ट स्टेटस दिलाया।